सोमवार
25 सितम्बर 2023

पृष्ठ 4
आंखों से जुड़ी ये समस्याएं बना सकती हैं अंधा!

पृष्ठ 5
मौनी रॉय पहली बार वेब सीरीज में दिखेंगी!

● देहरादून
● वर्ष 31
● अंक 227
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक
डीएवीपी से मान्यता प्राप्त
आर.एन.आई.- 59626/94
email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com

आज का विचार

केवल अंग्रेजी सीखने में जितना श्रम करना पड़ता है उतने श्रम में भारत की सभी भाषाएँ सीखी जा सकती हैं।

– विनोबा भावे

13 दिन बाद दर्ज हुआ शराब की दुकानों पर मुकदमा, कब होगी गिरफ्तारी

❑क्या कहीं चल रही है नकली शराब बनाने की फैक्ट्री!

संवाददाता

देहरादून। आबकारी आयुक्त के आदेश पर जिले में ग्रॉसरी स्टोर वाली दुकानों को सील कर उनकी जांच की गयी तो मामला संदिग्ध पाये जाने पर शहर कोतवाली व पटेलनगर थाने में मुकदमें दर्ज कराये गये। जबकि छापे की कार्यवाही प्रदेश के सभी जनपदों में की गयी थी। सभी जगह सहायक आबकारी आयुक्तों ने कार्यवाही की मात्र देहरादून में आबकारी निरीक्षक प्रेरणा बिष्ट को इसकी कमान सौपी गयी। शराब की बोतलों पर चार साल पुराने होलोग्राम मिलने से इस बात से भी इंकार नहीं किया जा सकता है कहीं प्रदेश में नकली शराब बनाने की फैक्ट्री तो नहीं चल रही है!

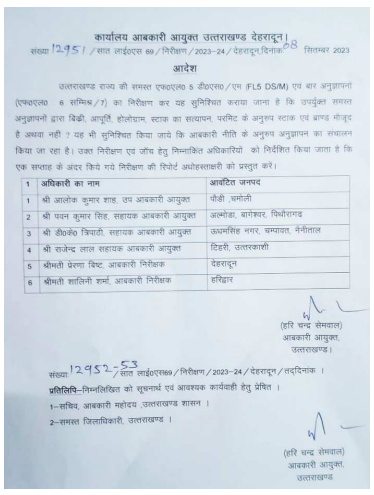

आबकारी विभाग ने अंग्रेजी व देशी शराब की दुकानों के साथ ही ग्रॉसरी स्टोरों में महंगी शराब के ब्रांड बेचने के लाईसेंस भी देने शुरू कर दिये और शहर में कई स्थानों पर इस प्रकार की दुकानें

कार्यालय आबकारी आयुक्त उत्तराखण्ड देहरादून।
आदेश

खुल गयी। इन स्टोरों को लोग बडे ही हसरत भरी निगाहों से देखते थे क्योंकि यह स्टोर आम आदमी की पहूंच से बाहर थे और लोगों को इन स्टोरों को देखकर यह विश्वास होता था कि यहां पर शुद्ध शराब मिलती है। लेकिन इस बात को आबकारी आयुक्त ने गलत साबित करके दिखा दिया। आठ सितम्बर को आबकारी आयुक्त हरि चन्द्र सेमवाल के आदेश पर प्रदेश के 11 जनपदो दून, पौडी, चमोली, अल्मोडा, बागेश्वर, पिथौरागढ, ऊधमसिंह नगर, चम्पावत, नैनीताल, टिहरी, उत्तरकाशी में 10 सितम्बर को इन स्टोरों पर कार्यवाहरी की गयी थी। सभी जनपदों में सहायक आबकारी

◀◀ शेष पृष्ठ 7 पर

अमोनिया गैस के रिसाव से आठ लोग हुए बेहोश

❑लालकुआं के आंचल डेरी प्लांट में हुआ हादसा

हमारे संवाददाता

देहरादून। लाल कुआं स्थित आंचल डेरी प्लांट में आज सुबह अमोनिया गैस के रिसाव से आठ लोगों की हालत बिगड़ गई। जिन्हे इलाज के लिए अलग-अलग अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। जिनकी हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है एसडीएम नैनीताल नें घटना की जांच के आदेश दे दिए हैं।

प्राप्त जानकारी के अनुसार आज सुबह 3 से 4 बजे के बीच अचानक प्लांट में हुए गैस रिसाव के कारण एक-एक कर आठ कर्मचारी बेहोश हो गए। कर्मचारियों के बेहोश होने से प्लांट में अफरा-तफरी मच गई। शुरुआत में किसी को इसका कारण समझ नहीं आया लेकिन जब गैस का प्रभाव क्षेत्र बढ़ने लगा तो लोग प्लांट से बाहर आने लगे। इसकी सूचना पुलिस और जिला प्रशासन को दी गई तथा मौके पर पहुंचे अधिकारियों ने प्रभावित लोगों को अस्पताल पहुंचाया जिनमें से दो का इलाज हल्द्वानी सरकारी अस्पताल में

❑प्रभावितों की हालत खतरे से बाहर
❑एसडीएम ने दिए जांच के निर्देश

चल रहा है तथा 6 लोगों को अलग-अलग निजी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। जिनकी हालत सामान्य बताई जा रही है। अमोनिया गैस का इस्तेमाल प्लांट को चिल्ड रखने के लिए संयंत्रों में किया जाता है।

प्लांट के प्रशासनिक अधिकारी और इंजीनियर अब इस बात का पता लगाने में जुटे हैं कि गैस का रिसाव कहां से हुआ और कैसे हुआ? इस काम के लिए प्लांट प्रशासन द्वारा बाहर से विशेषज्ञ इंजीनियर भी बुलाए गए। घटना के बाद

◀◀ शेष पृष्ठ 7 पर

19वें एशियन गेम्स में भारत को मिला पहला गोल्ड मेडल

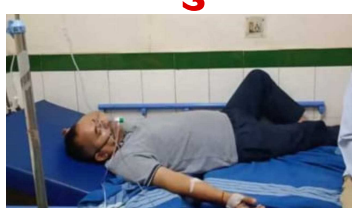

नई दिल्ली। चीन के हांगझोऊ में खेले जा रहे एशियन गेम्स में आज भारत ने गोल्ड मेडल के साथ धमाकेदार शुरुआत की है। भारत ने अपना पहला स्वर्ण पदक जीत लिया है। रुद्राक्ष पाटिल, ऐश्वर्या तोमर और दिव्यांश पंवार ने 10 मीटर एयर राइफल टीम स्पर्धा में गोल्ड जीत लिया है। 19वें एशियन गेम्स में भारत को पहला गोल्ड मेडल पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में मिला है, जहां ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर, रुद्राक्ष पाटिल और दिव्यांश पंवार की तिकड़ी ने अपने प्रदर्शन के दम पर ये कमाल किया है। रुद्राक्ष, ऐश्वर्य और दिव्यांश की तिकड़ी ने 1893.7 अंक अर्जित कर भारत को पहला गोल्ड दिलाया है।

एशियन गेम्स में आज भारत के पास दूसरा गोल्ड मेडल जीतने का भी सबसे अच्छा मौका होगा, क्योंकि महिला क्रिकेट टीम आज फाइनल में श्रीलंका से भिड़ेगी। स्मृति मंधाना की अगुवाई वाली टीम ने सेमीफाइनल में बांग्लादेश को हराकर फाइनल मुकाबले में अपनी जगह पक्की कर ली है।

मुजफ्फरनगर में स्कूली बच्चे की पिटाई मामले में सुप्रीम कोर्ट सख्त

जांच की निगरानी कोई सीनियर आईपीएस अफसर करें: सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। स्कूली बच्चे की पिटाई के वायरल वीडियो के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने घटना पर चिंता जाहिर करते हुए कहा है कि इस घटना को हल्के में नहीं लिया जा सकता। ट्रांसस्क्रिप्ट से साफ है कि स्कूल में शिक्षक बच्चे के धर्म के बारे में टिप्पणी कर बाकी बच्चों को उसकी पिटाई करने के लिए बोला जा रहा है। ये कैसी पढ़ाई हो रही है ? हमारी चिंता बच्चों को मिलने वाली शिक्षा को लेकर है। कोर्ट ने यूपी पुलिस की जांच और एफआईआर दर्ज करने में देरी पर सवाल उठाया। कोर्ट ने कहा, पुलिस के लचर रवैये को देखते हुए हम चाहते है कि जांच की निगरानी कोई सीनियर आईपीएस अफसर करें। इसके

साथ ही यूपी शिक्षा विभाग से भी जवाब मांगा गया है। सुप्रीम कोर्ट में इस मामले की अगली सुनवाई 30 अक्टूबर को होगी।

यह मामला उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर में मंसूरपुर थाना क्षेत्र के खुब्बापुर गांव का है। यहां प्राइवेट स्कूल की टीचर तृप्ता त्यागी ने एक बच्चे को दूसरे बच्चे को पीटने के लिए कहा। बच्चे की गलती बस इतनी थी कि उसने पहाड़ा याद नहीं किया था। इसी बात पर टीचर को इतना गुस्सा आया कि बच्चे को बुरी तरह पिटवाया। वहीं इस मामले पर आरोपी टीचर तृप्ता त्यागी ने कहा, 'बच्चा दो महीने से पहाड़ा नहीं याद कर रहा था। उसके पिता ने भी मुझसे कहा था कि इस पर थोड़ी सख्ती करो, वरना ये पढ़ाई नहीं करेगा। इसके बाद मैंने बच्चों से उसकी पिटाई करा दी। मुझसे गलती हुई है, ये बात मैं मानती हूं। बता दें कि पीड़ित पिता ने इस मामले में पहले समझौता होने की बात कही थी, लेकिन ये वीडियो वायरल होने के बाद तमाम राजनीतिक दलों की ओर से इस पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की गई, जिसके बाद पुलिस ने केस दर्ज कर लिया।

दून वैली मेल

संपादकीय

अटकाने भटकाने वाली राजनीति

क्या महिलाओं को 33 फीसदी आरक्षण के लिए लाया गया विधेयक मोदी सरकार का एक और चुनावी शगुफा है इन दिनों इस मुद्दे पर सबसे ज्यादा चर्चा हो रही है? जब तक बिल का ड्राफ्ट सामने नहीं आया था तब तक इस बिल को लेकर लोकसभा और राज्यसभा में पारित कराने के लिए देश की नारियां भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वंदन और अभिनंदन कर रही थी। उन्हें लग रहा था कि 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले ही यह कानून लागू हो जाएगा लेकिन उन्हें जब यह पता चला कि इसे लागू होने में अभी 5 साल लगेंगे या 10 साल कुछ पता नहीं, उनका उत्साह और जोश भी ठंडा पड़ गया है। विपक्षी दलों द्वारा तो इसे अब चुनावी शगुफा भी बताना शुरू कर दिया है। पहले जनगणना होगी फिर लोकसभा और राज्यों की विधानसभाओं का परिसीमन होगा इसके बाद इस बिल को अस्तित्व में लाया जाएगा? राजनीति में कब क्या हो जाए? कुछ भी कहना संभव नहीं है तो क्या मोदी सरकार लोकसभा चुनाव से पूर्व लाये गए इस आरक्षण विधेयक को जिसे गेम चेंजर बताया जा रहा है फिर चुनावी जीत के लिए लाया गया है। इसे अनिश्चितकाल तक लटकाए ही रखना था तो फिर इसे लाए जाने की क्या जरूरत थी। आगामी सरकार अपने कार्यकाल के अंतिम सालों में भी इस बिल को ला सकती है जब जनगणना व परिसीमन का काम पूरा हो जाता। सच यह है कि इस बिल के संसद में पारित होने के बाद भी इसका भविष्य अनिश्चिता की खुंटी पर ही लटका है तथा इसमें तमाम तरह की पेचीदगी है। जैसे ओबीसी की महिलाओं को आरक्षण के दायरे से बाहर रखा जाना तथा नए सीटों के परिसीमन के बाद इसका ज्यादा और कम लाभ मिलने को लेकर क्षेत्रीय टकराव बढ़ने आदि की संभावनाओं से इनकार नहीं किया जा सकता है। भाजपा के इस चुनावी शगूफे से उसे भले ही उतना चुनावी लाभ न मिल सके जितना मिलने की संभावना जताई जा रही थी लेकिन भाजपा का मीडिया विभाग इसके प्रचार से उसे अच्छा लाभ दिलाने में सक्षम है। अभी बीते दिनों लोकसभा में बसपा सांसद को लेकर भाजपा के सांसद रमेश बिधूड़ी ने जिस तरह आपत्तिजनक टिप्पणी की गई वह कोई मामूली घटना नहीं है ऐसा नहीं है कि सत्ता में बैठे भाजपा के नेता इसकी जानकारी नहीं रखते हैं कि संसद में दिए गए किसी भी आपत्तिजनक बयान के आधार पर किसी भी कोर्ट में मुकदमा नहीं चलाया जा सकता है अगर विधूड़ी इस बात को नहीं जानते होते तो उनकी शायद इस तरह का बयान देने की भी हिम्मत नहीं हो सकती थी कि वह किसी सांसद को आतंकवादी या उग्रवादी कह देते। लोकसभा स्पीकर से लेकर भाजपा के तमाम नेता अब इस पर लीपा पोती करने में जुटे हैं। विपक्ष के नेताओं का मानना है कि भाजपा के नेता अब इसी तरह की बयान बाजी करेंगे क्योंकि वह जनता का ध्यान असल मुद्दों से भटकाना चाहते हैं। अनर्गल बयान बाजी व प्रतीकात्मक मुद्दे खड़े करने में भाजपा को महारत हासिल है और शगूफेबाजी में उसका कोई मुकाबला कर ही नहीं सकता है। भाजपा इस समय अटकाने और भटकाने वाली राजनीति कर रही है लेकिन विपक्ष उसे अपनी इन चालो में कामयाब नहीं होने देगा।

नदी में गिरे दो मजदूर, एक की मौत एक घायल

हमारे संवाददाता

उत्तरकाशी। गंगोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग पर कार्य करते समय बीआरओ के दो मजदूर नदी में गिर गए। सूचना मिलने पर पुलिस और एसडीआरएफ टीम ने मौके पर पहुंचकर रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया लेकिन तब तक एक मजदूर की मौत हो चुकी थी, जबकि दूसरे घायल मजदूर को उपचार के लिए जिला अस्पताल पहुंचाया गया है।

जानकारी के अनुसार उत्तरकाशी में गंगोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग पर पोखू देवता मंदिर के समीप कुछ मजदूर रास्ते किनारे पत्थरों से पुस्ते का निर्माण कार्य कर रहे थे इसी दौरान अचानक पुस्ता ढह जान से उसके मलबे के साथ दो मजदूर भागीरथी नदी में गिर गए। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस और एसडीआरएफ की टीम ने मौके पर पहुंचकर रेस्क्यू अभियान शुरू किया। नदी में गिरे एक घायल मजदूर को रेस्क्यू कर उपचार के लिए जिला चिकित्सालय में लाया गया।

घायल सुमन बहादुर का अस्पताल में उपचार चल रहा है जबकि दूसरे मजदूर की खोजबीन के लिए देर शाम तक रेस्क्यू चलाया गया। दोनों मजदूर नेपाल के रहने वाले हैं। देर शाम तक दिल बहादुर का शव भी एसडीआरएफ द्वारा बरामद कर लिया गया था।

न यः सम्पृच्छे न पुनर्हवीतवे न संवादाय रमते।
तस्मान्नो अद्य समृतेरुरुष्यतं बाहुभ्यां न उरुष्यतम्॥

(ऋग्वेद ८-१०१-४)

जो मनुष्य विद्या अर्जन करने के लिए वाद-विवाद द्वारा संशय दूर करके आनंद नहीं लेता है। जिसको यज्ञनिक कर्मों के करने में आनंद नहीं आता है। हे मित्र-वरुण ! ऐसे मनुष्यों के साथ संग्राम में हमारी रक्षा करो।

दून में संत राजिन्दर सिंह जी महाराज का सत्संग कार्यक्रम 27 व 28 सितंबर को आयोजित होगा

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। सावन कृपाल रूहानी मिशन के प्रमुख व मानव एकता सम्मेलन के अध्यक्ष संत राजिन्दर सिंह जी महाराज 27 सितंबर, 2023 को देहरादून में सत्संग प्रवचन हेतु पधार रहे हैं। वे देहरादून में दो दिन सत्संग फरमायेंगे, जिसका आयोजन सावन कृपाल रूहानी मिशन की देहरादून शाखा द्वारा किया जा रहा है। सत्संग के इस कार्यक्रम में सिर्फ देहरादून से ही नहीं बल्कि भारत के विभिन्न राज्यों के हजारों लोगों के अलावा विदेशों से आए भाई-बहन भी भाग ले रहे हैं।

सावन कृपाल रूहानी मिशन के मीडिया प्रभारी सौरव नरूला ने यह जानकारी देते हुए बताया कि संत राजिन्दर सिंह जी महाराज के सत्संग का कार्यक्रम 27 और 28 सितंबर, 2023 को देहरादून के सुभाष नगर में स्थित मानव केन्द्र में शाम 7 बजे आयोजित किया जाएगा।

28 सितंबर की शाम 3 बजे संत राजिन्दर सिंह जी महाराज उपस्थित जनसमूह से व्यक्तिगत रूप से मुलाकात

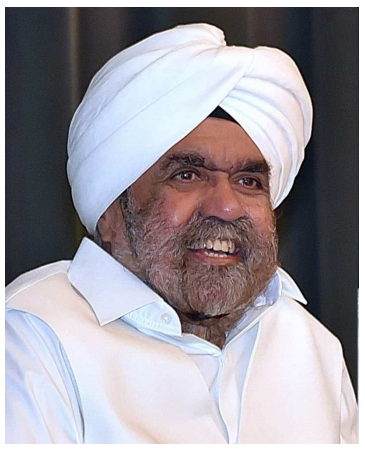

करेंगे और 28 सितंबर को ही सत्संग के उपरांत इसी स्थान पर रात्रि 9 बजे प्रभु-प्राप्ति के जिज्ञासु भाई-बहनों के लिए नामदान (आध्यात्मिक दीक्षा) का कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा, जिसमें संत राजिन्दर सिंह जी महाराज उन्हें प्रभु की 'ज्योति' व 'श्रुति' का निजानुभव प्रदान करेंगे।

संत राजिन्दर सिंह जी महाराज के देहरादून में दो दिन तक चलने वाले इस सत्संग व नामदान के कार्यक्रम में आप सभी सादर आमंत्रित हैं।

संत राजिन्दर सिंह जी महाराज आज विश्वभर में अनेक यात्राएं कर लाखों लोगों को ध्यान-अभ्यास की विधि सिखा रहे हैं, जिससे कि हम अपने मनुष्य जीवन के ध्येय अपने आपको जानना व पिता-परमेश्वर में लीन होना, को इसी जीवन में पूरा कर सकते हैं।

वर्तमान में संत राजिन्दर सिंह जी महाराज संपूर्ण विश्व में ध्यान-अभ्यास द्वारा प्रेम, एकता व शांति का संदेश प्रसारित कर रहे हैं, जिसके फलस्वरूप उन्हें विभिन्न देशों द्वारा अनेक शांति पुरस्कारों व सम्मानों के साथ-साथ पाँच डॉक्टरेट की उपाधियों से भी सम्मानित किया जा चुका है।

सावन कृपाल रूहानी मिशन के संपूर्ण विश्व में 3200 से अधिक केन्द्र स्थापित हैं तथा मिशन का साहित्य विश्व की 55 से अधिक भाषाओं में प्रकाशित हो चुका है। इसका मुख्यालय विजय नगर, दिल्ली में है तथा अंतर्राष्ट्रीय मुख्यालय नेपरविले, अमेरिका में स्थित है।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती उन्हे भावपूर्ण स्मरण किया

संवाददाता

देहरादून। कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय की 107वीं जयंती पर उनको भावपूर्ण स्मरण कर श्रद्धांजलि दी।

आज यहां कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने हाथीबड़कला स्थित कैंप कार्यालय में पंडित दीनदयाल उपाध्याय की 107वी जयंती के अवसर पर उन्हे भावपूर्ण स्मरण करते हुए पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धासुमन दी। इस अवसर पर अपने संबोधन में मंत्री जोशी ने कहा कि पण्डित दीनदयाल उपाध्याय महान विचारक और चिंतक थे। उन्होंने भारत की सनातन विचारधारा को युगानुकूल रूप में प्रस्तुत करते हुए देश को एकात्म मानव दर्शन जैसी प्रगतिशील विचारधारा दी। काबीना मंत्री जोशी ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय के विचारो का स्मरण करते हुए कहा कि

उनका मानना था की भारत को औद्योगीकरण के रास्ते पर चलते हुए अनाज के मामले में भी आत्मनिर्भर बनना चाहिए। हमें आर्थिक कमजोरियों को दूर करते हुए अपनी मजबूती कृषि पर ध्यान देना चाहिए। मंत्री गणेश जोशी ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी के पद चिन्हों और उनकी विचारधाराओं के अनुरूप देश और प्रदेश में किसानों की आय दुगनी करने की दिशा में केंद्र से लेकर राज्य सरकार लगातार कार्य कर रही है। मंत्री ने कहा। उनका सम्पूर्ण जीवन समाज सेवा के लिये समर्पित रहा है। पं.दीनदयाल जी एक महान चिंतक विचारक और दार्शनिक होने के साथ ही एक योग्य राजनेता और कुशल पथ प्रदर्शक भी थे। उन्होंने कहा दीनदयाल उपाध्याय को भारत में गरीब-दलितों की आवाज भी कहा जाता था। मंत्री ने कहा केंद्र और राज्य सरकार लगातार उनके दिए गए विचारों पर कार्य कर रही है। इस अवसर पर मण्डल अध्यक्ष ज्योति कोटिया, प्रदीप रावत, कमली भट्ट, सुरेन्द्र राणा, आरएस परिहार, निरंजन डोभाल, पूनम नौटियाल, आशीष थापा, संजय नौटियाल, सतेंद्र नाथ, वीर सिंह, मनजीत रावत, चुन्नी लाल, प्रभा शाह, मोहन बहुगुणा, विनय गुप्ता, अरविंद डोभाल आदि उपस्थित रहे।

सेलाकुई में दिव्यांग जनों के साथ गोष्ठी का आयोजन

नगर संवाददाता

देहरादून। देवभूमि दिव्यांग वेलफेयर सोसाइटी, रजिस्टर्ड (दिव्यांग क्रिकेट एसोसिएशन उत्तराखंड) के तत्वाधान में देहरादून के सेलाकुई में एक दिव्यांगों के साथ गोष्ठी आयोजित की गई जिसमें सेलाकुई, सहसपुर, विकास नगर क्षेत्र की दिव्यांग जनों की समस्याओं को सुना गया।

इस मौके पर संस्था द्वारा दिव्यांग लोगों को यह भरोसा दिलाया गया कि उनकी समस्याओं का निवारण जल्द संस्था द्वारा हल करने का प्रयास किया जाएगा एवं उनकी आवाज संबंधित अधिकारियों तक पहुंचाई जाएगी। संस्था द्वारा इसमें कुछ अच्छे दिव्यांग खिलाड़ियों की भी तलाश की जा रही है जो उत्तराखंड की टीम में खेलने का गौरव प्राप्त कर सकें।

इस मीटिंग में उपस्थित रहने वालों में एसोसिएशन व संस्था के अध्यक्ष, गिरीश पटवाल (पूर्व रणजी ट्रॉफी खिलाड़ी व बीसीसीआई लेवल इंडिया कोच) मौजूद रहे साथ ही संस्था की कोषाध्यक्ष गीता पटवाल, क्षेत्र के सामाजिक कार्यकर्ता फुरकान अहमद और कई अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे, संस्था उत्तराखंड में लगातार दिव्यांग जनों को आत्मनिर्भर बनाने का कार्य कर रही है एवं उनके उत्थान एवं विकास हेतु निरंतर प्रगति कर रही है।

शहद खाने के फायदे

पेट की जलन शांत करने से लेकर दिमाग को शांत करने तक शहद कई तरह से हमारे शरीर को लाभ पहुंचाता है। लेकिन जो लोग नियमित रूप से शहद का सेवन करते हैं, वे कई गंभीर बीमारियों से भी सुरक्षित रहते हैं। यहां जानें नियमित रूप से शहद खाने के लाभ...

थकान भगाए शहद

– तनाव के कारण हम सभी लोगों को शरीर में भारीपन और कई घंटों तक लगातार बैठे रहने के चलते मांसपेशियों में जकड़न की समस्या का सामना करना पड़ता है।

–इन समस्याओं को दूर करने में शहद अहम भूमिका निभा सकता है। क्योंकि शहद में नैचरल ग्लूकोज और फ्रक्टोज होता है। ग्लूकोज शरीर में पहुंचते ही तुरंत थकान दूर करता है।

–तो वहीं फ्रक्टोज के अवशोषण की प्रक्रिया धीमी होती है। इसलिए यह शरीर में धीरे–धीरे घुलता रहता है और लंबे समय तक शरीर को ऊर्जा प्रदान करता रहता है।

अच्छी नींद लाए शहद

–जिन्हें नींद संबंधी समस्याए हों उन्हें, हर दिन दो समय शहद का सेवन करना चाहिए। आप रात को सोने से पहले हल्के गुनगुने दूध में शहद मिलाकर इसका सेवन करें। आपको लाभ होगा। क्योंकि शहद और दूध का मिश्रण आपके दिमाग को शांत करने का काम करता है।

शुगर से बचाए शहद

–शहद में प्राकृतिक ग्लूकोज और फ्रक्टोज होता है। यह मेल आपके शरीर में ब्लड शुगर का स्तर नहीं बढ़ने देता है। इसलिए जिनकी फैमिली में शुगर हिस्ट्री हो या जिन्हें डायबिटीज टाइप–2 की समस्या हो रही हो, उन्हें हर दिन सीमित मात्रा में शहद का उपयोग करना चाहिए।

पाचन बढ़ाए शहद

–पाचनतंत्र को ठीक करने में भी शहद बहुत अधिक उपयोगी है। जिन्हें कब्ज की समस्या हो उन्हें हर दिन दो बार शहद का उपयोग करना चाहिए। आप सुबह और शाम के समय एक से दो चम्मच तक शहद का सेवन कर सकते हैं। इससे आपके शरीर को भोजन पचाने में सहायता होगी साथ ही मोशन स्मूद होगा।

जल्दी घाव भरे शहद

–अगर आपको किसी भी कारण चोट लग गई है और आप इसकी दवाई ले रहे हैं। तो आप अपनी डेली डायट में शहद को भी शामिल कर सकते हैं। शहद आपकी कोशिकाओं की रिपेयर स्पीड बढ़ाने का काम तेज करता है। इससे घाव भरने का समय कम हो जाता है और आप जल्दी ठीक हो जाते हैं।

जलन मिटाए शहद

–पेट में हो रही जलन या त्वचा पर कुछ गर्म लग जाने के कारण होनेवाली जलन दोनों में ही शहद बहुत अधिक लाभकारी होता है। पेट की जलन को शांत करने के लिए आप एक से दो चम्मच शहद धीरे–धीरे चाटकर खाएं। आपको तुरंत राहत महसूस होगी।

–यदि कहीं कुछ गर्म लग गया है या त्वचा पर सनबर्न के कारण जलन हो रही है तो आप शहद में गुलाबजल या दही मिलाकर त्वचा पर लगा सकते हैं। इससे आपको तुरंत राहत का अनुभव होगा।

नाश्ते में खाएं मूंग दाल स्प्राउट्स, पूरा दिन बने रहेंगे एनर्जी का पावर हाउस

हर दिन यह डिसाइड करना खासा मुश्किल काम होता है कि आज नाश्ते में क्या खाना है, या सुबह ब्रेकफास्ट के लिए ऑफिस टिफिन में क्या पैक करना है... आइए, आज यहां ऐसे एक हेल्दी ब्रेकफास्ट के बारे में बात करते हैं, जिसे तैयार करना भी बहुत आसान है और जो पोषक तत्वों से भरपूर होता है...

लगातार तैयार रख सकते हैं आप इसे

–मूंग दाल के स्प्राउट्स बनाने के लिए आपको इसे 2 से 3 दिन पहले पानी में भिगोकर रखना होगा। इसलिए आप एक बार की अंकुरित मूंग का उपयोग करने के बाद अगली बार के लिए तुरंत भिगोकर रख दीजिए। यानी आपको अभी से पता होगा कि आप दो दिन बाद नाश्ते में क्या खानेवाले हैं।

जबरदस्त फाइबर करे पेट साफ

–यदि किसी को कब्ज, पेट में भारीपन या अपच की समस्या रहती है तो उन लोगों के लिए मूंग दाल का अंकुरित बहुत अधिक लाभकारी होता है। क्योंकि इसमें मौजूद प्राकृतिक फाइबर यानी रेशे आपके पाचनतंत्र को पूरी तरह साफ रखने का काम करते हैं।

सुस्ती दूर भगाए

–जिन लोगों को हर समय शरीर में भारीपन का अहसास होता है और आलस बना रहता है, उन्हें भी नाश्ते में मूंग दाल का सेवन करना चाहिए। क्योंकि मूंग दाल का अंकुरित मेटाबॉलिक रेट को बढ़ाने का काम करता है। इससे शरीर को लंबे समय तक ऊर्जा मिलत रहती है और आप अधिक ऐक्टिव फील करते हैं।

ऐसे तैयार करें मूंग स्प्राउट्स

–अंकुरित हो चुकी मूंग को अच्छी तरह धुल लें। इसके बाद इसमें बारीक कटे प्याज, टमाटर और हरा धनिया मिलाएं। आप इसमें मूंगफली के दाने भी मिला सकते हैं। अब स्वाद के अनुसार नमक, मिर्च, चाट मसाला और नींबू निचोड़कर इसका सेवन करें।

गुलाब चेहरे को हाइड्रेट और मॉइस्चराइज करने में भी मदद करता है

स्किन को चमकदार और ग्लोइंग बनाने के लिए गुलाब का फूल बेहद असरदार होता है। गुलाब में एंटी–इंफ्लेमेटरी प्रॉपर्टी पाई जाती है, जो चेहरे से लालिमा को कम करने में मदद कर सकती है। यह क्रीम मुंहासे, चेहरे की सूजन और एक्जिमा से भी छुटकारा दिलाती है। गुलाब की पंखुड़ियां क्लींजर की तरह काम करती हैं और स्किन पोर्स में जमे तेल और गंदगी को दूर करने में सहायक हैं।

यदि आपकी स्किन ड्राय है, तो गुलाब चेहरे को हाइड्रेट और मॉइस्चराइज करने में भी मदद करता है। इससे तैयार फेस पैक लगाने से चेहरा बिल्कुल तरोताजा नजर आता है। यही नहीं, जीवाणुरोधी गुणों के कारण, गुलाब घाव के निशान, चोट और घावों को भी भरने में सहायता करता है।

सामग्री–

*गुलाब की पंखुड़ियां – 1 कप

*एलोवेरा जेल– 1 चम्मच

*ग्लिसरीन – आधा चम्मच

बनाने की विधि –

1.सबसे पहले गुलाब की पंखुडियों को धोकर ग्राइंडर में पीस लें।

2.फिर इसे एक कांच की कटोरी में निकालें और उसमें एलोवेरा जेल और ग्लिसरीन मिलाएं।

3.इन सभी चीजों को अच्छी तरह से मिक्स करें और पेस्ट बनाएं।

4.अब इस पेस्ट को कांच की शीशी में भर लें।

5.लीजिए तैयार है आपकी गुलाब से तैयार की हुई मसाजिंग क्रीम।

कब और कैसे लगाएं

आप इस मसाजिंग क्रीम को सुबह या रात में सोने से पहले लगा सकती हैं। अपने चेहरे को सबसे पहले धो लें और फिर इस क्रीम का थोड़ा सा हिस्सा उंगलियों में लेकर अपने चेहरे पर लगाएं। इसे लगाने के बाद करीबन 1० मिनट अपने चेहरे की हल्के प्रेशर के साथ मसाज करें।

चेहरे के लिए गुलाब का फायदा

एंटीऑक्सिडेंट का पावरहाउस

हम सभी जानते हैं कि एंटीऑक्सिडेंट त्वचा के लिए अच्छे माने जाते हैं। गुलाब में पाया जाने वाला एंटीऑक्सिडेंट त्वचा की कोशिकाओं को मजबूत करने में मदद करता है, जिससे स्किन रिपेयर होती है। एंटीऑक्सिडेंट मुक्त कणों को बेअसर करने के लिए काम करते हैं, जो त्वचा को एंटी–एजिंग लाभ भी प्रदान कर सकते हैं।

नमी की न होने दे कमी

गुलाब सभी प्रकार की त्वचा के लिए बहुत अच्छा माना जाता है। यह विशेष रूप से ड्राय स्किन के लिए बहुत बढ़िया होता है। यह स्किन को मॉइस्चराइज करता है और खुजली को शांत करता है।

झुर्रियों को मिटाकर बनाए जवां

एंटीऑक्सिडेंट से भरे होने के अलावा, गुलाब विटामिन–ए और सी से भरा होता है, जो झुर्रियों की उपस्थिति को कम करता है। इसे नियमित चेहरे पर लगाने से डार्क स्पॉट कम होते हैं और कोलेजन उत्पादन बढता है। गुलाब रेटिनॉल का एक प्राकृतिक स्रोत भी माना जाता है।

स्किन से हटाए गंदगी और तेल

यदि आपकी स्किन ऑयली हो जाती है और आपको बार–बार अपना मुंह धोना पड़ता है, तो ऐसे में गुलाब चेहरे से चिपचिपाहट को हटाने का काम भी करता है। यह अतिरिक्त तेल उत्पादन को नियंत्रित करने में मदद कर सकता है। यह त्वचा में पानी की मात्रा को बढ़ाता है। यह नेचुरल चीज आपके चेहरे पर एक मैजिक की तरह काम करेगी। इसका इस्तेमाल रोजाना किया जा सकता है। इसका फायदा देखने के लिए इसे लगभग 1 सप्ताह तक इस्तेमाल करें।

घर पर बॉडी वॉश बनाने के लिए अपनाएं ये तरीके

आजकल कुछ लोग नहाने के लिए साबुन की जगह बॉडी वॉश का इस्तेमाल करते हैं क्योंकि यह त्वचा की देखभाल ठीक से करता है।दरअसल, यह साबुन की तरह सख्त नहीं होता बल्कि त्वचा की नमी को बनाए रखता है।बाजार में कई तरह के बॉडी वॉश मौजूद है, लेकिन आप कम पैसों में इसे घर पर भी बना सकते हैं।चलिए फिर आज घर पर 5 तरह के बॉडी वॉश बनाने के तरीके जानते हैं।

नारियल के दूध के बनाएं बॉडी वॉश

सबसे पहले आधा कप नारियल के दूध को एक बोतल में डालें, फिर इसमें दो तिहाई बिना खुशबू वाला तरल कैस्टाइल साबुन मिलाएं।अब इस मिश्रण में 3 चम्मच जोजोबा तेल, 2 चम्मच ग्लिसरीन और 1 चम्मच शहद मिलाकर बोतल को बंद करके सभी सामग्री को अच्छे से मिलाएं।आप चाहें तो इसमें 5 बूंदे टी ट्री या लैवेंडर एसेंशियल ऑयल भी डाल सकते हैं।इसके बाद नहाते समय इस मिश्रण को स्पंज में डालकर इस्तेमाल करें।

एसेंशियल ऑयल के साथ इस तरह बनाएं बॉडी वॉश

सबसे पहले एक बोतल में डेढ़ कप तरल कैस्टाइल साबुन डालें, फिर इसमें 4 चम्मच ग्लिसरीन मिलाएं।इसके बाद इसमें करीब 1० बूंदें पेपरमिंट एसेंशियल ऑयल और 1० बूंदे लौंग एसेंशियल ऑयल की डालकर इस मिश्रण को अच्छी तरह से मिलाएं।इसके अलावा आप एसेंशियल ऑयल से बॉडी वॉश बनाने के लिए अपने अलग पसंदीदा एसेंशियल ऑयल का इस्तेमाल भी कर सकते हैं।इस बॉडी वॉश की शेल्फ लाइफ 1 साल है।

शहद से बनाएं बॉडी वॉश

सबसे पहले आधा कप तरल कैस्टाइल साबुन को एक बोतल में डालें। इसके बाद इसमें आधा कप शहद, 2 बड़ी चम्मच अरंडी का तेल और 2 बड़ी चम्मच जैतून का तेल मिलाएं।आखिर में इस मिश्रण में करीब 1० बूंदे एसेंशियल ऑयल की मिलाएं।इस बॉडी वॉश को इस्तेमाल करने से पहले एक बार अच्छे से जरूर मिलाएं।यह खुजली वाली त्वचा को ठीक करता है और आपकी त्वचा को जवां बनाए रखने में भी मदद करता है।

जैतून के तेल से बनाएं बॉडी वॉश

इस बॉडी वॉश को बनाने के लिए सबसे पहले एक बोतल में एक तिहाई कप कैस्टाइल साबुन, एक तिहाई कप शहद और एक तिहाई कप ही जैतून का तेल मिलाएं।इसके बाद इसमें एसेंशियल ऑयल की करीब 3०–6० बूंदें मिलाएं। इसके लिए आप संतरे, वेनिला और लैवेंडर जैसे एसेंशियल ऑयल का इस्तेमाल कर सकते हैं।इस बॉडी वॉश की शेल्फ लाइफ 1 साल तक रहेगी।यह त्वचा की नमी बनाए रखने में मदद करेगा।

शिया बटर बॉडी वॉश

सबसे पहले आधा कप शिया बटर को पिघला लें, फिर इसमें आधा कप बादाम का तेल, 1 कप कैस्टाइल साबुन और गुलाब एसेंशियल ऑयल की 1० बूंदें मिलाएं। अब इस मिश्रण को एक बोतल में डालकर मिलाएं और इस्तेमाल करें। इसकी शेल्फ लाइफ 6 महीने से 1 साल तक है।बता दें कि शिया बटर त्वचा की एलर्जी, सनबर्न और चकत्ते से राहत देता है, इसलिए आपको इससे बने बॉडी वॉश को जरूर आजमाना चाहिए। (आरएनएस)

घरेलू टिप्स दिलाएंगे मुंह की बदबू से छुटकारा, जानिए आपको क्या करना होगा ?

मुंह से बदबू आना एक आम समस्या है जो कई कारणों से हो सकती है। मुंह से बदबू आना से न सिर्फ हम खुद परेशान रहते हैं, बल्कि यह हमारे आस-पास के लोगों के लिए भी असुविधा का कारण बन जाती है। मुंह से आने वाली बदबू कई कारणों से हो सकती है - खराब दांतों की सफाई, मुंह में संक्रमण, खाने-पीने की गलत आदतें, तंबाकू का सेवन, कुछ बीमारियाँ या दवाएं आदि। चाहे कारण कुछ भी हो, मुंह की बदबू हमारे आत्मविश्वास को कम कर देती है और सामाजिक रूप से अलग-थलग कर देती है। लेकिन चिंता की कोई बात नहीं! मुंह की बदबू से छुटकारा पाने के लिए हम घर पर ही कुछ सरल और प्राकृतिक उपाय आजमा सकते हैं जो इस समस्या को दूर करने में मदद कर सकते हैं। आइए जानते हैं मुंह की बदबू हटाने के कुछ असरदार घरेलू उपाय के बारे में।

लौंग का उपयोग : लौंग में एंटीबैक्टीरियल गुण होते हैं जो मुंह से बैक्टीरिया को नष्ट कर सकते हैं। आप लौंग को मुंह में रखकर चबा सकते हैं।

नींबु पानी : नींबु में विटामिन सी होता है, जो मुंह के अच्छे बैक्टीरिया को बढ़ावा देने में मदद कर सकता है। आप नींबु के रस को पानी में मिलाकर इसे कुछ समय तक मुंह में रख सकते हैं और फिर कुल्ला कर सकते हैं।

बेकिंग सोडा : बेकिंग सोडा मुंह की एसिडिटी को कम करता है, जो बदबू पैदा करने वाले बैक्टीरिया की वृद्धि को रोक सकता है। आप बेकिंग सोडा को अपने टूथपेस्ट में मिला सकते हैं या फिर इसे पानी में मिलाकर मुंह के अंदर कुल्ला कर सकते हैं।

तुलसी : तुलसी में एंटीबैक्टीरियल और एंटीफंगल प्रॉपर्टीज होती हैं। आप तुलसी की पत्तियों को चबा सकते हैं या इसे अपने चाय में डाल सकते हैं।

सौंफ और इलायची : इन दोनों के एंटीबैक्टीरियल गुण होते हैं जो मुंह की बदबू को दूर करने में मदद करते हैं। भोजन के बाद थोड़ी सौंफ और इलायची का सेवन आप कर सकते हैं।

जली हुई एल्यूमिनियम कड़ाही को नई जैसी कैसे बनाएं, जानें कुछ आसान टिप्स

कड़ाही हमारे रसोई का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा है, जिसे हम रोज खाना पकाने के लिए प्रयोग में लाते हैं । जबकि बाकी रसोई के बर्तन आसानी से साफ हो जाते हैं लेकिन, कड़ाही को साफ करने में हमें अधिक समय लगता है । इस भाग दौड की जिंदगी में हमें कभी-कभी कड़ाही साफ करने के लिए पर्याप्त समय नहीं मिल पाता । जब हम कुछ दिनों बाद इसे साफ करने की कोशिश करते हैं, तो यह इतनी जली होती है कि साफ करना मुश्किल हो जाता है । इस समस्या से महिलाएं आए दिन जूझ रहती है । घंटो साफ करने के बाद भी जली हुई कड़ाही साफ नहीं होती है । ऐसे में हम आपको कुछ ऐसी घरेलू टिप्स बताएंगे जिससे एल्यूमिनियम कड़ाही आसानी से साफ किया जा सकता है और आप अपनी कड़ाही को नया जैसे चमका सकते हैं । ये हैं कुछ तरीके ।

टमाटर का रस या चुकंदर

* कड़ाही में टमाटर का रस या चुकंदर का रस लगा दें ।
* थोड़ी देर तक उसे उसी में छोड़ दें ।
* फिर कड़ाही को अच्छे से साफ कर लें ।

टाटरी और नमक

* थोड़ी टाटरी को थोड़े से पानी में गरम करें ।
* फिर उसमें थोड़ा नमक मिलाकर पेस्ट तैयार करें ।
* इस पेस्ट को कड़ाही पर लगाकर रगड़ें ।
* 15-2० मिनट बाद इसे साफ पानी से धो दें ।

बेकिंग सोडा और सिरका

* एक कप पानी में 2 चम्मच बेकिंग सोडा और 2 चम्मच सिरका मिलाएं ।
* इस मिश्रण को गरम कड़ाही पर लगाएं और रगड़ें ।
* फिर पानी से धो दें ।

लेमन और नमक

* एक टुकड़ा लेमन को नमक में डुबोकर कड़ाही की अंदरूनी सतह पर रगड़ें ।
* थोड़ी देर बाद कड़ाही को धो दें ।

पुरानी वाइन

* कढ़ाही में थोड़ी पुरानी वाइन डालें ।
* कढ़ाही को धीमी आंच पर रखें और वाइन को थोड़ा गर्म करने दें ।
* जले हुए हिस्से और दाग पर स्क्रब करें ।
* वाइन के एसिडिक गुण जले हुए हिस्से को ढीला कर देंगे, जिससे वह आसानी से हट जाएगा। उसे बाद कढ़ाही को अच्छी तरह से पानी से धो लें और सुखा लें।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

आंखों से जुड़ी ये समस्याएं बना सकती हैं अंधा!

आंखों को लेकर किसी तरह की लापरवाही जिंदगी भर का पछतावा दे सकती है। खराब खानपान और लाइफस्टाइल की वजह से आंखों की समस्याएं तेजी से बढ़ती जा रही हैं। डॉक्टर भी आंखों के प्रति गंभीरता दिखाने की सलाह देते हैं। उनका कहना है कि आंखों की किसी भी समस्या को अनदेखा नहीं करना चाहिए। जैसे ही समस्या हो तुरंत डॉक्टर के पास जाना चाहिए। इससे समय रहते समस्या को कम या दूर किया जा सकता है। क्योंकि आंखें इतनी सेंसेटिव होती हैं कि इनसे जुड़ी किसी भी समस्या को इग्नोर करना अंधेपन का कारण बन सकती है।

आंखों की समस्याओं को न करें इग्नोर

एक्सपर्ट्स के मुताबिक, आंखों की समस्या किसी भी उम्र में हो सकती है। इसलिए बचपन से ही आंखों पर ध्यान देना चाहिए। बच्चों में ग्लूकोमा की समस्या तेजी से बढ़ रही है, जो समय के साथ अंधेपन का खतरा बढ़ा सकती है। इतना ही नहीं उम्र बढने के साथ होने वाली मोतियाबिंद की समस्या भी आंखों की रोशनी छीन सकती है। इसलिए आंखों से जुडे कुछ लक्षण दिखने पर सावधान हो जाना चाहिए।

आंखों से धुंधला दिखना

अगर आंखों से धुंधला दिख रहा है तो ये कई तरह की समस्याओं और बीमारियों की तरफ इशारा हो सकता है। कुछ मामलों में यह मोतियाबिंद या लेंस से जुड़ी समस्या की वजह से भी हो सकती है। इसलिए तुरंत इलाज करवाना चाहिए। एक्सपर्ट्स के मुताबिक, ज्यादातर मोतियाबिंद उम्र बढने के साथ आंखों में होने वाले प्राकृतिक परिवर्तनों के कारण होते हैं, इसलिए अगर समय पर ध्यान न दिया जाए तो ये अंधेपन का कारण बन सकते हैं।

आंखों की नसों में प्रॉब्लम

आंखों की नसों की समस्या भी अंधेपन का कारण बन सकती है। यह देखने की क्षमता को प्रभावित कर सकती है। ग्लूकोमा ऐसी ही बीमारी है। यह आंखों में कई तरह की बीमारियों की तरफ संकेत देती है। ग्लूकोमा का कोई तय इलाज पैटर्न नहीं है। हालांकि, समय रहते इससे जुड़े इलाज से समस्या को खत्म किया जा सकता है।

आंखों में दर्द की समस्या

आंखों की कई बीमारियां दर्द बढ़ा सकती है। आंखों में चोट की वजह से दर्द हो सकता है। एक्सपर्ट्स के मुताबिक, आंखों में दर्द होने का मतलब है कि आंखें ज्यादा दबाव में हैं। यह ग्लूकोमा का भी लक्षण हो सकता है। अगर यह समस्या लंबे समय तक बनी है तो आंखों से जुड़े डॉक्टर के पास जाकर जांच करवाना चाहिए। वरना इससे आंखों की रोशनी तक जा सकती है।(आरएनएस)

तब्बू की खुफिया की रिलीज तारीख से उठा पर्दा

बॉलीवुड की जानी-मानी अभिनेत्री तब्बू ने हाल ही में अपनी नई फिल्म खुफिया का ऐलान किया था। इसमें उनके साथ वामिका गब्बी और अली फजल भी मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे। खुफिया ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी। अब निर्माताओं ने फिल्म की रिलीज तारीख से पर्दा उठा दिया है। यह फिल्म 5 अक्टूबर को नेटफ्लिक्स पर दस्तक देने के लिए तैयार है। इसके साथ खुफिया का नया टीजर भी सामने आ चुका है।

नेटफ्लिक्स इंडिया ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर खुफिया का नया टीजर साझा किया है, जिसमें तब्बू खुफिया मिशन का पता लगाती नजर आ रही हैंइसके कैप्शन में उन्होंने लिखा, कुछ राज, राज ही रहे तो बेहतर है, लेकिन ये वाला नहीं। 5 अक्टूबर को आपके लिए सबसे ज्यादा खुफिया मिशन लेकर आ रहे हैं, केवल नेटफ्लिक्स पराबता दें, खुफिया का निर्देशन विशाल भारद्वाज ने किया है।

सामने आए वीडियो में तब्बू, वामिक और अली निर्देशक विशाल से फिल्म खुफिया को लेकर बात करते नजर आ रहे हैं।

इस अनाउंसमेंट वीडियो में, तब्बू को केवल मोटी लाइनों वाली एक स्क्रिप्ट मिलती है, और भारद्वाज का दावा है कि यह एक खुफिया स्क्रिप्ट है, जबकि फिल्म निर्माता अली को कोई फिल्म की स्क्रिप्ट भी नहीं सुनाता है। तो वही दूसरी ओर, वामीका को इस बारे में बोलने की भी अनुमति नहीं है कि वह उनके साथ काम कर रही है। इस प्रकार से फिल्म खुफिया की रिलीज की तारीख भी अब तक एक गुप्त रहस्य है।

शब्द सामर्थ्य -052

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. व्यर्थ, अकारण, बेवजह (उर्दू) 4. साथ में, सहित 5. वर्षा, बारिश, बरखा 8. कथा, किस्सा 9. चिढ़चिड़ा, बदमिजाज 11. प्रलय, आफत, हलचल 12. लाख ढकने का कपड़ा 13. पिता, क्लर्क, सम्मानित व्यक्ति 14. वायु, पवन 16. निवास करना, उपस्थित होना, ठहरना 18. जिसे लात खाने की आदत हो गई हो 19. सेवक, दास, चाकर 21. भ्राता 22. मेघ, जलद, नीरद।

ऊपर से नीचे

1. विशेष, विशिष्ट 2. सुगंध, खुशबू 3. आदमी, मनुष्य, मानव 5. अपेक्षाकृत, अपेक्षया 6. कष्ट, दर्द, दिक्कत 7. पठन, पढ़ने का काम, शिक्षा 10. किस्मत, नसीब, भाग्यवान 12. एक पक्षी जो पुराने समय में संदेश वाहक का काम करता था 13. बाल, बच्चा, लड़का, छोकरा 17. वायु संबंधी, हवा में रहने, उड़ने या होने वाला, बिलकुल काल्पनिक और निर्मूल 19. नाव, कश्ती 20. वर्ष, बरस, एक इमारती वृक्ष।

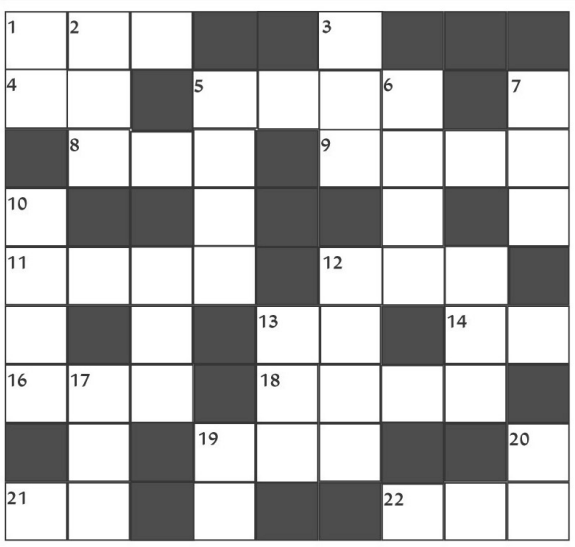

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 51 का हल

पं	क्ति		स्वा	द		स	ब	ब
जा		सु	हा	ना			ली	द
ब	हु	धा		द	ल	ना		ल
		क	मा	न		ग	ह	ना
भं	व	र				वा	म	
गी	त		म	ज	बू	र		ट
	न	म	स्का	र				र
		र्या			बी		ना	का
सं	वि	दा		ब	स	च	ल	ना

नेहा पेंडसे ने सनी देओल के साथ की गई शूटिंग के दिनों को किया याद

एक्ट्रेस नेहा पेंडसे, जो टीवी और फिल्म दोनों में अपने बहुमुखी प्रदर्शन के लिए जानी जाती हैं, ने एक बाल कलाकार के रूप में अपनी यात्रा को याद किया और एक्टर सनी देओल से मिली प्रशंसा पर खुशी जाहिर की। नेहा मे आई कम इन मैडम के नए एपिसोड में मैडम संजना के रूप में वापसी करने के लिए तैयार हैं। उन्होंने एक बाल कलाकार के रूप में एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में शुरुआत की। एंटरटेनमेंट वर्ल्ड में अपने शुरुआती दिनों को याद करते हुए, एक्ट्रेस ने कहा- मैंने डीडी चैनल पर एक टीवी सीरियल के साथ बाल कलाकार के रूप में एक्टिंग करियर शुरू किया, और प्यार कोई खेल नहीं में एक्टर सनी देओल के साथ बड़े पर्दे पर अपनी शुरुआत की। नेहा ने कहा, मेरे माता-पिता हमेशा आर्ट और एंटरटेनमेंट के प्रति गहरी समझ रखते हैं और यहीं से यह सब शुरू हुआ। उस युग के दौरान, बाल कलाकार अपेक्षाकृत सीमित थे, क्योंकि कई लोग एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में बच्चों को शामिल करना वर्जित मानते थे।

उन्होंने कहा, मेरा डेस्टिनी पर भरोसा है। मुझे बाल कलाकार के रूप में कई शानदार प्रोजेक्ट्स का हिस्सा बनने का मौका मिला। आगे बोलते हुए, नेहा ने विभिन्न कलाकारों के साथ काम करने के दौरान मिले समृद्ध अनुभवों के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने विशेष रूप से सनी देओल द्वारा मिली प्रशंसा को साझा किया। नेहा ने कहा, मैंने जिन प्रतिभाशाली कलाकारों के साथ काम किया है उनमें से सनी देओल मेरे पसंदीदा में से एक हैं। वह उल्लेखनीय रूप से मृदुभाषी और सम्मानित व्यक्ति हैं। अपनी प्रभावशाली उपस्थिति के बावजूद, वह विनम्र और ज़मीन से जुड़े रहे, खासकर उन लोगों के प्रति जिनके साथ उन्होंने काम किया था। उन्होंने आगे कहा, अपनी कला के प्रति उनका समर्पण वास्तव में सराहनीय है और मैं उनकी इस बात को गहराई से संजोकर रखती हूं। मे आई कम इन मैडम 26 सितंबर से स्टार भारत पर प्रसारित होगा। (आरएनएस)

थाई स्लिट आउटफिट पहन मलाइका ने दिखाई सेंशुअस अदाएं

बॉलीवुड की फिटनेस क्वीन मलाइका अरोड़ा आए दिन अपनी बोल्डनेस और ग्लैमरस अदाओं से सोशल मीडिया पर बवाल मचाती रहती हैं। उनका हर एक लुक सोशल मीडिया पर आते ही लोगों के बीच छा जाता है। अब हालिया फोटोशूट के दौरान की एक्ट्रेस ने कुछ लेटेस्ट तस्वीरें फैंस के बीच शेयर की हैं। इन तस्वीरों में उनकी हॉटनेस देखकर फैंस का दिल मचल गया है। मलाइका अरोड़ा सोशल मीडिया पर आए दिन अपनी हॉटनेस से इंटरनेट पर फैंस के होश उड़ाती रहती हैं। हाल ही में उनकी लेटेस्ट तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर होते ही वायरल हो गई हैं। इन तस्वीरों में मलाइका का अंदाज देख हर कोई उनकी तारीफ करते नजर आ रहा है। एक्ट्रेस मलाइका ने अपनी इन फोटोज में ब्लू कलर की सिर से पैर तक खुली हुई हुई ड्रेस पहनी हुई है। दरअसल, एक्ट्रेस की ये तस्वीरें इवेंट के दौरान की हैं। वो अपने इस आउटफिट को पहन कर सोशल मीडिया का पारा बढ़ाने में लगी रहती हैं। एक्ट्रेस मलाइका अरोड़ा हर बार अपने ड्रेसिंग सेंस से फैंस का ध्यान अपनी ओर खींच लेती हैं। कानों में इयररिंग्स, खुले बाल और न्यूड मेकअप के साथ मलाइका अरोड़ा ने अपने लुक को पूरा किया है। 49 साल की उम्र में भी मलाइका अरोड़ा की फिटनेस बेहद कमाल की हैं। वो अक्सर कैमरे के सामने अपने हुस्न का जादू चलाती रहती हैं। मलाइका अरोड़ा सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। वो जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनकी फोटोज पर दिलखोलकर लाइक्स और कॉमेंट्स करते हैं। (आरएनएस)

हुमा कुरेशी ने लिखी जेबा: एन एक्सीडेंटल सुपरहीरो नोवेल

गैंग्स ऑफ वासेपुर, बदलापुर, मोनिका-ओ माय डार्लिंग और अपनी स्ट्रीमिंग सीरीज महारानी जैसी फिल्मों के लिए मशहूर एक्ट्रेस हुमा कुरैशी ने अपने पहली फैंटेसी नोवेल जेबा-एन एक्सीडेंटल सुपरहीरो लिखी है।

एक्ट्रेस ने किताब में एक ऐसी कहानी बुनी है जो मैजिक, वंडर और इंटेंस पैशन को जोड़ती है। यह वीरता, परिवर्तन और विपरीत परिस्थितियों में अदम्य मानवीय भावना की कहानी है।

अपने नोवेल के बारे में बात करते हुए, हुमा ने कहा, मैंने सीखा है कि आप जो हैं, उसे अपनी सभी खूबियों और विशिष्टता के साथ स्वीकार करना सबसे सशक्त यात्रा है, जिसे कोई भी शुरू कर सकता है। हम एक ऐसी दुनिया में रहते हैं जिसमें विविधता की आवश्यकता है, और प्रत्येक व्यक्ति की कहानी उस खूबसूरत मोज़ेक का एक टुकड़ा है।

अभिनेत्री ने आगे उल्लेख किया, उग्र महिलाओं की कहानियां सिर्फ समय की जरूरत नहीं हैं, वे टाइमलेस कहानियां हैं। हमें खुद को यह याद दिलाने के लिए इन कहानियों की ज़रूरत है कि हम भी अपने जीवन के नायक हो सकते हैं। यह नोवेल व्यक्तिगत है और यह मेरे सबसे वास्तविक और सबसे अनफिल्टर्ड वर्जन को सामने

रखता है।

भारतीय सिनेमा में आउटसाइडर के रूप में हुमा की यात्रा दिलचस्प है। दिल्ली से फिल्म इंडस्ट्री के शिखर तक की उनकी जर्नी कई लोगों के लिए प्रेरणा का स्रोत है। यह किताब इस साल दिसंबर में मार्केट में आएगी।

एक्ट्रेस ने अपने इंस्टाग्राम पर अपने फॉलोअर्स के साथ यह खबर भी साझा की और किताब के कवर के साथ अपनी एक तस्वीर शेयर की।

हुमा ने कैप्शन में लिखा- आखिरकार बिल्ली बैग से बाहर आ गई!! अपने पहले नोवेल जेबा - एन एक्सीडेंटल सुपरहीरो की घोषणा करते हुए बेहद उत्साहित हूं। पिछले 2 सालों से इस पर काम कर रही हूं और मेरे आसपास हर कोई जानता है कि यह मेरे लिए कितना मायने रखता है। दिसंबर 2023 में बुक मार्केट में आएगी।

टोरंटो इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में थैंक यू फॉर कमिंग का प्रीमियर

मौजूदा वक्त में भूमि पेडनेकर अपनी आने वाली फिल्म थैंक यू फॉर कमिंग को लेकर चर्चा में हैंइसमें शहनाज गिल, कुशा कपिला, डॉली सिंह, करण कुंद्रा, शिबानी बेदी, नताशा रस्तोगी, सुशांत दिवगीकर, गौतमिक, और अनिल कपूर जैसे कलाकार भी मुख्य भूमिकाओं में नजर वाले हैं।ताजा खबर यह है कि थैंक यू फॉर कमिंग इस साल टोरंटो इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में गाला स्क्रीनिंग प्रीमियर से सम्मानित होने वाली एकमात्र भारतीय फीचर फिल्म बन गई है।

भूमि ने बताया, टीआईएफएफ में यह मेरा पहला अवसर है। मैं बहुत खुश हूं क्योंकि थैंक यू फॉर कमिंग मेरे दिल के बहुत करीब है। जो बात इसे और खास बनाती है वह यह है कि हमें प्रतिष्ठित रॉय थॉम्पसन हॉल में गाला प्रीमियर के लिए चुना गया है।उन्होंने आगे कहा, एक भारतीय अभिनेत्री के रूप में मुझे गर्व है कि मैं इस प्रतिष्ठित कार्यक्रम में अपने देश का प्रतिनिधित्व करुंगी।

फिल्म थैंक यू फॉर कमिंग का निर्देशन रिया कपूर के पति करण बूलानी कर रहे हैं। यह बतौर निर्देशक उनकी पहली फिल्म है।रिया और एकता कपूर ने मिलकर इस फिल्म के प्रोडक्शन का काम संभाला है।थैंक यू फॉर कमिंग 6 अक्टूबर को सिनेमाघरों में दस्तक देने के लिए एकदम तैयार है।बता दें, थैंक यू फॉर कमिंग का ट्रेलर और पहला गाना हांजी सामने आ चुका है, जिसे सोशल मीडिया पर काफी पसंद किया जा रहा है।

मौनी रॉय पहली बार वेब सीरीज में दिखेंगी!

लोगों में वेब सीरीज को लेकर बहुत क्रेज है। कोई भी सीरीज आती है वह उसे पहले देखना चाहते हैं फिर सीरीज एक्शन और सस्पेंस से भरी हो तो कोई पीछे नहीं हटता है। ऐसी ही एक वेब सीरीज मिलन लूथरिया लेकर आ रहे हैं। सुल्तान ऑफ दिल्ली का टीजर आ रिलीज हो गया है। इस सीरीज में ताहिर राज भसीन और मौनी रॉय लीड रोल में नजर आने वाले हैं। टीजर रिलीज हो गया है और ये लोगों को बहुत पसंद आ रहा है।

सुल्तान ऑफ दिल्ली की बात करें तो 60 के दशक पर आधारित है। ये सीरीज सुल्तान ऑफ दिल्ली- अर्नब रे द्वारा आरोहण पर आधारित है। इसमें ताहिर अहम किरदार अर्जुन भाटिया का किरदार निभाएंगे जो सत्ता पाने के लिए किसी भी हद तक चला जाएगा। सत्ता की भूख उससे बहुत कुछ करवा लेगी।

टीजर में मौनी रॉय एक एक्ट्रेस के किरदार में नजर आ रही हैं। सीरीज में उनका ग्लैमरस अवतार फैंस को देखने को मिलेगा। मौनी ने सोशल मीडिया पर टीजर

शेयर किया है। उन्होंने लिखा- किस्मत के खेल में बाजी मारेगा सिर्फ एक।

मिलन लूथरिया इस सीरीज से ओटीटी डेब्यू करने जा रहे हैं। उन्होंने सीरीज को लेकर कहा-सुल्तान ऑफ़ दिल्ली मेरी पहली वेब सीरीज़ है। सेक्सी 60 के दशक में स्थापित। इसमें ग्लैमर, एक्शन, म्यूजिक, दमदार वन लाइनर्स और बेहतरीन मनोरंजन शामिल है। मैं हमेशा अपनी कहानियों के माध्यम से दर्शकों को एक मनोरंजक अनुभव देने का प्रयास करता हूं। सुल्तान ऑफ दिल्ली एक ऐसी ही खूबसूरत यात्रा है। मैं डिज्नी + हॉटस्टार के साथ साझेदारी करके बहुत खुश हूं।

सुल्तान ऑफ दिल्ली में ताहिर राज भसीन और मौनी रॉय के साथ अंजुम शर्मा, अनुभवी अभिनेता विनय पाठक और निशांत दहिया मौजूद हैं। इनके साथ-साथ अनुप्रिया गोयनका, मौनी रॉय, हरलीन सेठी और मेहरीन पीरजादा अहम किरदार निभाते नजर आएंगे। इस सीरीज के सारे एपिसोड 13 अक्टूबर को स्ट्रीम होंगे।

अस्तित्व की चिंता में अकेले देवगौड़ा की नहीं

अजीत द्विवेदी

देश के सबसे ताकतवर क्षत्रपों में से एक रहे देश के पूर्व प्रधानमत्री और जेडीएस के संस्थापक एचडी देवगौड़ा ने अगले लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी के साथ तालमेल का ऐलान करते हुए बड़ी मार्मिक बात कही। उन्होंने कहा- मैंने यह फैसला अपनी पार्टी का अस्तित्व बचाने के लिए किया है। हालांकि इस बात की कोई गारंटी नहीं है कि भाजपा के साथ गठबंधन करने से उनकी पार्टी का अस्तित्व बच जाएगा। लेकिन ऐसे समय में, जब उनकी पार्टी अपने इतिहास का सबसे खराब प्रदर्शन करने के बाद बिखरने और समाप्त होने की कगार पर खड़ी है तो घनघोर निराशा के समय में उन्होंने यह फैसला किया। इस फैसले को दो स्पष्ट कारण हैं। पहला तो यह कि अब तक देवगौड़ा निर्विवाद वोक्कालिगा नेता थे और उनके परिवार का इस वोट पर एकाधिकार था। लेकिन कांग्रेस के डीके शिवकुमार के उभार ने परिवार का एकाधिकार तोड़ दिया है, जो इस साल मई में हुए विधानसभा चुनाव में दिखा। दूसरा कारण देवगौड़ा की उम्र और सेहत है। वे ९० साल के हो चुके हैं। उनको लग रहा है कि अगला लोकसभा चुनाव उनका आखिरी हो सकता है। उनके परिवार में भी सब कुछ ठीक नहीं है। दोनों बेटों- एचडी कुमारस्वामी और एचडी रेवन्ना के बीच सत्ता में हिस्सेदारी की खींचतान स्थायी है। अगर परिवार थोड़े समय और सत्ता से बाहर रहता है तो परिवार की एकता, पार्टी की एकजुटता और बचे हुए मतदाताओं का समर्थन बनाए रखना नामुमकिन हो जाएगा। उनकी यह चिंता जायज है कि अलग रहे तो भाजपा या कांग्रेस उनकी पार्टी और वोट बैंक दोनों को समाप्त कर देंगे।

सवाल है कि क्या यह चिंता अकेले एचडी देवगौड़ा की है? नहीं, यह चिंता देश के कई ताकतवर क्षत्रपों की है, जिनको लग रहा है कि उनको अपनी पार्टी का अस्तित्व बचाए रखने के लिए लीक से हट कर कुछ करना होगा या कोई साहसी फैसला करना होगा। अगला चुनाव कई प्रादेशिक पार्टियों के लिए अस्तित्व की लड़ाई वाला होगा। जितने भी प्रादेशिक क्षत्रप उम्र की ढलान पर हैं उनको इस बात की ज्यादा चिंता है। यह चिंता इसलिए भी बढ़ी है क्योंकि भाजपा और कांग्रेस सहित दूसरी पार्टियों की नजर भी उनकी पार्टी और वोट आधार पर है। ऐसे क्षत्रपों में नीतीश कुमार, मायावती, शरद पवार, नवीन पटनायक और चंद्रबाबू नायडू का नाम मुख्य रूप से लिया जा सकता है।

कर्नाटक में जो स्थिति एचडी देवगौडा की पार्टी जेडीएस की है कमोबेश वही स्थिति बिहार में नीतीश कुमार की पार्टी जेडीयू की है। ये दोनों पार्टियां जनता परिवार की हैं और वीपी सिंह के आंदोलन के समय बनी जनता दल से निकली हैं। लेकिन ये पार्टियां जनता दल की तरह किसी वैचारिक आधार पर नहीं बनी हैं। जिस तरह कर्नाटक में देवगौड़ा ने वोक्कालिगा वोट के दम पर पार्टी बनाई और राजनीति की उसी तरह बिहार में नीतीश कुमार ने लालू यादव के यादव-मुस्लिम वोट की राजनीति के बरक्स लव-कुश यानी कुर्मी व कोईरी का नेतृत्व तैयार किया और बाद में धीरे धीरे इसके साथ गैर यादव अन्य पिछड़ी जातियों व दलितों को जोडने़ का काम किया। लंबी लड़ाई के बाद भाजपा की मदद से वे २००5 में लालू प्रसाद को सत्ता से बेदखल करने में कामयाब रहे। अब 18 साल के बाद वे अपनी पार्टी की चिंता में हैं क्योंकि उनकी पार्टी धीरे धीरे अपना वोट गंवाती जा रही है। निराशा व बेचैनी में वे इधर-उधर हाथ-पैर मार रहे हैं। उनको जितनी चिंता सत्ता में बने रहने की है उससे ज्यादा चिंता पार्टी बचाने की है। यह अच्छी बात है कि उन्होंने देवगौड़ा और लालू प्रसाद की तरह परिवारवाद नहीं किया। लेकिन बुरी बात यह है कि उन्होंने अपनी पार्टी में नेताओं की कोई दूसरी लाइन तैयार नहीं की। इसका नतीजा यह हुआ है कि उनकी पार्टी जिस सामाजिक आधार के दम पर टिकी है उसका प्रतिनिधित्व करने वाला कोई चेहरा उनकी पार्टी में नहीं है।

नीतीश कुमार ने कोईरी-कुर्मी का नेतृत्व नहीं पनपने देने की सोच में आरसीपी सिंह से लेकर उपेंद्र कुशवाहा और सम्राट चौधरी तक को इस्तेमाल किया और किनारे किया। इसी राजनीति की वजह से आज उनके बाद उनकी पार्टी में ललन सिंह, विजय चौधरी, संजय झा, विजेंद्र यादव या अशोक चौधरी जैसे नेता दूसरी कतार में गिने जाते हैं। इनमें से कोई भी जदयू के कोर वोट आधार का प्रतिनिधित्व नहीं करता है। यही कारण है कि अक्सर यह चर्चा होती रहती है कि उनकी पार्टी का राजद में विलय हो जाएगा यानी पार्टी जहां से निकली थी वहीं चली जाएगी। पहले यह भी कहा जाता था कि भाजपा उनकी पार्टी को निगल जाएगी। भाजपा से उनके अलग होने का एक कारण यह भी था। भाजपा ने कुशवाहा नेता सम्राट चौधरी को प्रदेश की कमान सौंप कर नीतीश और उनकी पार्टी के लिए बड़ा खतरा पैदा कर दिया है। तभी उनके लिए अपनी पार्टी का अस्तित्व बचाए रखना बड़ी चिंता की बात हो गई है। हालांकि नीतीश फिनिक्स की तरह हर बार खड़े होते हैं लेकिन वह भी तभी होगा, जब उम्र और सेहत उनका साथ दे। उनकी उम्र भी 72 साल से ज्यादा हो गई है।

तीसरी क्षत्रप मायावती हैं, जिनकी पार्टी धीरे धीरे अप्रासंगिक होती जा रही है और जिनके सामने पार्टी का अस्तित्व बचाने का सवाल मुंह बाए खड़ा है। उनकी स्थिति देवगौड़ा और नीतीश दोनों से खराब है। उत्तर प्रदेश जैसे बड़े राज्य की चार बार मुख्यमंत्री रहीं मायावती की पार्टी का सिर्फ एक विधायक है। लोकसभा सांसदों की संख्या जरूर १० है लेकिन सबको पता है कि वह समाजवादी पार्टी के साथ तालमेल की वजह से है। उनका वोट आधार लगभग आधा हो गया है। चाहे जिस कारण से हो लेकिन उन्होंने न तो अपने परिवार के किसी सदस्य को पार्टी के नेता के तौर पर अधिकृत किया और न किसी दूसरे नेता को। उनकी पार्टी से जुड़े रहे तमाम पिछड़े, अति पिछड़े और दलित नेता या तो पार्टी छोड़ कर जा चुके हैं या हाशिए में हैं। लंबे समय से उनकी पार्टी के वोट आधार पर भाजपा की नजर थी। पिछले दो चुनावों से साफ दिख रहा है कि उनका वोट भाजपा की ओर शिफ्ट कर रहा है। उन्होंने अब जाकर अपने भाई आनंद कुमार के बेटे आकाश आनंद को अपने उत्तराधिकारी के तौर पर आगे किया है और पिछले महीने उनके नेतृत्व में महीने सर्वजन हिताए, सर्वजन सुखाए संकल्प यात्रा की शुरुआत की। उनके लिए भी अगला चुनाव आखिरी मौका होगा। अगर वे चुनाव से पहले सही फैसला नहीं करती हैं तो उनकी पार्टी के सामने भी अस्तित्व का संकट खड़ा होगा।

एनसीपी के संस्थापक शरद पवार का मामला थोड़ा अलग है। उन्होंने अपने भतीजे अजित पवार को उत्तराधिकारी के तौर पर आगे बढ़ाया था लेकिन बाद में उन्हें लगा कि उनकी मेहनत का फल उनकी बेटी सुप्रिया सुले को खाना चाहिए। बिल्कुल यही बात बाल ठाकरे ने भी महसूस की थी तभी अपना सहज उत्तराधिकारी माने जा रहे राज ठाकरे को छोड़ कर उन्होंने उद्धव ठाकरे को पार्टी की कमान सौंपी थी। बहरहाल, पवार अगर जिद छोड़ दें तो अजित पवार के नेतृत्व में उनकी पार्टी फलती-फूलती रहेगी। लेकिन अगर वे बेटी को नेता बनाने की जिद पर अड़े रहते हैं तो दोनों को नुकसान होगा। भाजपा और कांग्रेस फायदे में रहेंगे। सो, उन्हें भी अगले लोकसभा चुनाव में बहुत सोच-समझ कर फैसला करना होगा। ओडिशा में नवीन पटनायक की पार्टी भी बिना नेतृत्व के है। तमाम बड़े नेता पार्टी छोड़ चुके हैं और एक आईएएस अधिकारी के इशारों पर पार्टी चल रही है। जिस दिन पार्टी सत्ता से बाहर हुई या नवीन पटनायक नहीं रहे उस दिन पार्टी का अस्तित्व समाप्त हो जाएगा। चंद्रबाबू नायडू भी अस्तित्व के संकट से जूझ रहे हैं और भाजपा के साथ जाकर अस्तित्व बचाने का प्रयास कर रहे हैं। जिन प्रादेशिक क्षत्रपों ने पहले उत्तराधिकार तय कर दिया उनकी पार्टियां अब भी बची हुई हैं और आगे भी बची रहेंगी। इस श्रेणी में शिबू सोरेन, लालू प्रसाद, मुलायम सिंह यादव, करुणानिधि, प्रकाश सिंह बादल, के चंद्रशेखर राव आदि के नाम लिए जा सकते हैं।

सू- दोकू क्र.052

	3		7				2	1
2				9		4		
	7		1				5	
		1		5		2		7
	5				4			
		4		1		8		5
					1			
1		5		3		9		
	2		6		5		1	

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.51 का हल

8	9	5	1	6	3	2	4	7
3	2	1	9	7	4	8	6	5
4	7	6	2	5	8	3	9	1
7	6	9	5	2	1	4	3	8
1	8	3	4	9	7	6	5	2
2	5	4	8	3	6	1	7	9
5	3	8	7	4	2	9	1	6
6	1	7	3	8	9	5	2	4
9	4	2	6	1	5	7	8	3

महंगाई से राहत नहीं

भारत में आम लोगों को महंगाई से कोई राहत नहीं मिलने जा रही है। और अब आई ताजा खबर ने इस मोर्चे पर चिंता और बढ़ा दी है। खबर यह है कि रूस ने भारत को रियायती दर पर उर्वरकों की बिक्री रोक दी है।

अगर मुद्रास्फीति दर में बहुत मामूली गिरावट भी आ जाए, तो अखबारी सुर्खियां उसे इस रूप में पेश करती हैं, जैसे अब महंगाई में वास्तविक गिरावट आने लगी है। जबकि उसका असल मतलब यह होता है कि गुजरे महीने या तिमाही में महंगाई बढने़ की दर कुछ धीमी रही। मसलन, अगस्त के आंकड़ों में बताया गया है कि इस महीने मुद्रास्फीति की दर 6.83 प्रतिशत रही, जबकि जुलाई में यह दर 7.44 फीसदी थी। इसका अर्थ यह हुआ कि महंगाई जुलाई की तुलना में ०.61 प्रतिशत कम दर से बढ़ी। क्या इसे महंगाई पर काबू पा लेना कहेंगे? अब जुलाई की खाद्य मुद्रास्फीति का आंकड़ा भी आया है, जिसके मुताबिक उस महीने खाद्य पदार्थों की कीमत लगभग दस प्रतिशत की दर से बढ़ी। जाहिर है, लोगों को महंगाई से कोई राहत नहीं मिल रही है। और अब आई ताजा खबर ने इस मोर्चे पर चिंता और बढ़ा दी है। खबर यह है कि रूस ने भारत को रियायती दर पर उर्वरकों की बिक्री रोक दी है। 2022 में रूसी कंपनियां भारत की सबसे बड़ी खाद सप्लायर बन गई थी। तब प्रतिबंधों के कारण रूसी खाद कंपनियों को अंतरराष्ट्रीय बाजार में खाद बेचने में परेशानी हो रही थी। इससे बचने के लिए उन्होंने भारत को सस्ते दाम पर डी-अमोनियम फॉस्फेट (डीएपी) बेचना शुरू किया। एक विदेशी समाचार एजेंसी की खबर के मुताबिक अब यह सस्ती सप्लाई बंद हो कर दी गई है। एजेंसी ने भारत सरकार के एक वरिष्ठ अधिकारी से इस सूचना की पुष्टि भी की है। डीएपी भारत में सबसे ज्यादा इस्तेमाल होने वाली रासायनिक खाद है। वित्त वर्ष 2022-23 में भारत ने रूस से 43.5 लाख टन रासायनिक खाद खरीदी। इनमें सबसे ज्यादा हिस्सेदारी डीएपी, यूरिया और एनपीके खाद की थी। सस्ती सप्लाई रुकने का सीधा असर खेती की लागत बढने़ के रूप में सामने आएगा। उसका असर अनाज और अन्य खाद्य पदार्थों की महंगाई और बढने़ के रूप में सामने आएगा। साफ है, महंगाई से अभी आम लोगों को राहत मिलने की उम्मीद नहीं है- अखबारी सुर्खियां चाहे आंकड़ों को जिस हद तक चासनी में लपेटें।(आरएनएस)

जी-20 का प्रचार चलता रहेगा

जी-२० शिखर सम्मेलन का प्रचार तुरंत थमने वाला नहीं है। संसद के विशेष सत्र और उसके बाद पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव में भी इसे मुद्दा बनाया जाएगा। प्रधानमंत्री मोदी खुद इस बड़े आयोजन का अधिकतम प्रचार करने और अधिकतम लाभ लेने की योजना पर काम कर रहे हैं। तभी शिखर सम्मेलन खत्म होने के बाद से हर दिन कोई न कोई कार्यक्रम हो रहा है, जो इससे जुड़ा हुआ है। जैसे सम्मेलन के अगले दिन प्रधानमंत्री मोदी भारत मंडपम गए, जहां क्राफ्ट का मेला लगा हुआ है। उन्होंने विदेश मंत्रालय के अधिकारियों के साथ सुषमा स्वराज भवन में चर्चा की और उनका धन्यवाद दिया। इसके बाद बुधवार को प्रधानमंत्री मोदी भाजपा की केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक में हिस्सा लेने भाजपा मुख्यालय पहुंचे तो फूल बरसा कर उनका स्वागत किया गया। उसी दिन कैबिनेट की बैठक में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मोदी को बधाई देने और उनके अभिनंदन का प्रस्ताव रखा, जिसे मंजूर किया गया। इसके बाद तय हुआ कि प्रधानमंत्री मोदी जी-२० सम्मेलन में सुरक्षा का जिम्मा संभालने वाले साढ़े चार सौ लोगों के साथ भारत मंडपम में ही डिनर करेंगे। इसके बाद संसद के विशेष सत्र में इसके सफल आयोजन के लिए प्रधानमंत्री का अभिनंदन होना है। बताया जा रहा है कि जी-२० शिखर सम्मेलन के घोषणापत्र की कुछ बातों को भाजपा पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों के घोषणापत्र का हिस्सा बना सकती है।

दून एनिमल वेलफेयर श्रीकृष्ण धाम गौशाला में किया गया वृक्षारोपण

देहरादून (सं)। क्लीन एण्ड ग्रीन एन्वायरमेंट सोसायटी द्वारा दून एनिमल वेलफेयर श्री कृष्ण धाम गौशाला में वृहद वृक्षरोपण किया गया। आज यहां क्लीन एण्ड ग्रीन एन्वायरमेंट सोसायटी द्वारा दून एनिमल वेलफेयर (श्री कृष्ण धाम गौशाला), हसनपुर, देहरादून में बृहद वृक्षारोपण अभियान किया गया। इस अवसर पर विभिन्न प्रजातियों के 100 से अधिक फलदार, छायादार तथा विभिन्न प्रकार के फूलो के वृक्षों का रोपण किया गया। लगाए गए वृक्षों मे आम, पिलखन, बरगद, सिल्वर ओक, केसिया सामिया, कटहल, नीम, अमरूद, बांस, नाशपाती, गुड़हल, आड़ू के वृक्ष शामिल किए गए। वर्ष 2023 में क्लीन एण्ड ग्रीन एन्वायरमेंट सोसायटी द्वारा किया गया यह 11वां वृक्षारोपण अभियान है। दून एनिमल वेलफेयर (श्री कृष्ण धाम गौशाला) की संस्थापक श्रीमती मिली कौर और आशू अरोड़ा ने क्लीन एंड ग्रीन एनवायरनमेंट सोसाइटी के अध्यक्ष एवं संस्थापक राम कपूर से निवेदन किया कि उनकी कृष्ण धाम गौशाला में गोवंश पशुओं के लिए वृक्षों की नितांत आवश्यकता है जिससे गोशाला में मौजूद गाय एवं छोटे बछड़े पेड़ों की छाया में बैठे और आराम करें। उनके इस निवेदन पर समिति द्वारा श्री कृष्ण धाम गौशाला में बृहद वृक्षारोपण अभियान किया गया। इस वृक्षारोपण अभियान में समिति के अध्यक्ष राम कपूर, उपाध्यक्ष रंदीप अहलूवालिया, कोषाध्यक्ष शम्भू शुक्ला, सचिव जेपी किमोठी, संयोजक नितिन कुमार, राकेश दुबे, हर्षवर्धन जमलोकी, मंजुला रावत, भूमिका दुबे, हृदय कपूर, सुंदर शुक्ला, संध्या जमलोकी, अमूल्या किमोठी, नमित चौधरी, सृष्टि दुबे तथा दून एनिमल वेलफेयर (श्री कृष्ण धाम गौशाला की संस्थापक सुश्री मिली कौर एवं आशू अरोड़ा उपस्थित रहे।

दुकान से मोबाइल चोरी

संवाददाता

देहरादून। दुकान से मोबाइल चोरी होने के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार शक्ति विहार अधोईवाला निवासी प्रकाश अरोडा ने रायपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसकी रायपुर रोड में मोबाइल की दुकान है। आज जब वह दुकान से थोडी देर के लिए बाहर गया तो किसी ने उसकी दुकान से मोबाइल चोरी कर लिया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

अमोनिया गैस के रिसाव से आठ लोग..

◀◀ पृष्ठ 1 का शेष

प्लांट को तुरंत बंद कर दिया गया है तथा लीकेज को रोकने के प्रयास किया जा रहे हैं। प्लांट प्रबंधकों का कहना है की लीकेज मामूली थी इसलिए इस घटना से कोई बड़ा जान माल का नुकसान नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि लीकेज का पता लगा लिया गया है तथा इसके ट्रीटमेंट का काम किया जा रहा है तथा जल्द ही हालात सामान्य हो जाएंगे। उधर एसडीएम ने इस घटना की जांच के आदेश जारी कर दिए हैं। उनका कहना है कि मामले की जांच कराई जाएगी तथा इसके कारणों का पता लगाया जाएगा। उनका यह भी कहना है कि अगर समय रहते पता नहीं चलता तो बड़ा हादसा हो सकता था।

13 दिन बाद दर्ज हुआ शराब की दुकानों..

◀◀ पृष्ठ 1 का शेष

आयुक्तों के द्वारा कार्यवाही की गयी थी मात्र देहरादून व हरिद्वार ही ऐसे जनपद थे जहां पर इसकी कमान आबकारी निरीक्षक को सौंपी गयी थी। देहरादून में इन स्टोरों पर कार्यवाही के लिए आबकारी निरीक्षक श्रीमती प्रेरणा बिष्ट को कमान सौपी गयी थी जिसको उन्होंने बखूबी अंजाम तक पहुंचाया। आबकारी निरीक्षकों की टीम ने इन ग्रॉसरी स्टोर वाली शराब की दुकानों को सील कर दिया गया। जिनमें यह बात सामने आयी थी कि इन दुकानों पर फर्जी होलोग्राम लगाकर शराब बेची जा रही है। यही नहीं वाइन की बोतलों पर चार साल पुराने होलोग्राम भी लगे दिखायी दिये तथा कई जगहों पर कटे हुए होलोग्राम लगी वाइन की बोतलें दिखायी दी। जबकि लाइसेंस धारकों ने इस बारे में कोई जानकारी न होना बताया गया। इस सब गोरखधंधे में आबकारी विभाग को राजस्व का बडा नुकसान पहुचाया जा रहा था। अब देखने वाली बात है कि 13 दिन चली इस जांच के बाद आबकारी विभाग ने शहर कोतवाली व पटेलनगर में मुकदमें दर्ज कराये। लेकिन अभी तक गिरफ्तारी किसी की नहीं हुई है। जबकि 13 दिन तक जांच के बाद मुकदमा दर्ज किया गया तो फिर आगे किसी प्रकार की जांच का मतलब नहीं होना चाहिए! इन महंगी शराब की दुकानों में फर्जीवाडा चल रहा था जबकि अन्य शराब की दुकानों पर तो आये दिन ओवर रेट व पेगारी आम बात होती थी जिसको देखकर नकली शराब की बात कई बार सामने आयी थी लेकिन इन महंगी शराब की दुकानों पर भी फर्जीवाडा सामने आने पर यह बात जोर पकडती दिखायी दे रही है कि कहीं प्रदेश में नकली शराब बनाने की फैक्ट्री का संचालन तो नही हो रहा है। अगर ऐसा हुआ तो यह प्रदेश व प्रदेशवासियों के लिए घातक साबित होगा!

49वीं भारतीय पुलिस साइंस कांग्रेस का आयोजन 7 व 8 अक्टूबर को दून में

संवाददाता

देहरादून। 49वीं अखिल भारतीय पुलिस साइंस कांग्रेस का आयोजन वन अनुसंधान संस्थान में 7 व 8 अक्टूबर को किया जायेगा।

आज यहां इसकी जानकारी देते हुए पुलिस महानिदेशक अशोक कुमार ने बताया कि यह अत्यन्त गौरव का विषय है कि 49वीं अखिल भारतीय पुलिस साइंस कांग्रेस (एआईपीएससी) का आयोजन उत्तराखण्ड पुलिस द्वारा वन अनुसंधान संस्थान देहरादून में 07 एवं 08 अक्टूबर, 2023 को किया जायेगा। पुलिसिंग इन अमृत काल थीम पर गृह मंत्रालय, भारत सरकार की संस्था पुलिस विकास एवं अनुसंधान ब्यूरो (बीपीआर एण्ड डी) के तत्वावधान में इसे आयोजित कराया जा रहा है। 12 वर्षों के लम्बे अन्तराल के पश्चात् श्री अशोक कुमार, पुलिस महानिदेशक, उत्तराखण्ड की पहल पर इसे अपने राज्य में कराने का सुअवसर प्राप्त हो रहा है। इससे पूर्व 41वें

एआईपीएससी का आयोजन 21 से 23 जून, 2011 के मध्य वन अनुसंधान संस्थान देहरादून में ही कराया गया था। 49वीं अखिल भारतीय पुलिस साइंस कांग्रेस का उद्घाटन 07 अक्टूबर, 2023 को वन अनुसंधान संस्थान के दीक्षांत हॉल में पूर्वाहन में आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर अमित शाह, गृह मंत्री, भारत सरकार ने मुख्य अतिथि बनने के लिए सहमति दे दी है और मुख्यमंत्री उत्तराखण्ड पुष्कर सिंह धामी अतिविशिष्ट सम्मानित अतिथि होंगे। कार्यक्रम में प्रतिभाग करने एवं अपने विचार प्रस्तुत करने हेतु पूरे देशभर से पुलिस अधिकारी, शिक्षाविद्, शोधकर्ता, न्यायविद, विज्ञान विशेषज्ञ तथा दूसरे हितधारक उपस्थित होंगे। समापन समारोह 08 अक्टूबर, 2023 को भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद (आईसीएफआरई) सभागार में सायं 04 बजे आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर राज्यपाल उत्तराखण्ड लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) गुरमीत सिंह ने मुख्य अतिथि बनने के लिए सहृदय सहमति दे दी है। 49वीं अखिल भारतीय पुलिस साइंस कांग्रेस (एआईपीएससी) के सम्बन्ध में बीपीआर एण्ड डी द्वारा एआईपीएससी का पहली बार आयोजन वर्ष 1960 में बिहार में किया गया था। तब से इसे अभी तक 48 बार विभिन्न राज्यों में आयोजित किया जा चुका है। विभिन्न राज्य पुलिस बलों तथा केन्द्रीय पुलिस संगठनों के साथ विचार-विमर्श कर बीपीआर एण्ड डी प्रत्येक एआईपीएससी के विषय निर्धारित करता है। इन्हीं निर्धारित विषयों पर पेपर आमंत्रित किये जाते हैं तथा चर्चा एवं नीति निर्धारण के सुझाव केन्द्रित होते हैं।

यातायात नियमों के उल्लंघन में 10 वाहन सीज, 26 चालान

संवाददाता

देहरादून। यातायात नियमों का उल्लंघन करने के मामले में पुलिस ने 10 वाहनों को सीज कर 26 का चालान कर 77 हजार रूपये संयोजन शुल्क वसूला।

आज यहां वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अजय सिंह द्वारा जनपद के समस्त थाना प्रभारियों को अपने-अपने थाना क्षेत्रों में यातायात नियमों का उल्लंघन करने, सार्वजनिक स्थानों पर शराब पीकर हुडदंग करने तथा अवैध खनन में लिप्त व्यक्तियों के विरूद्ध सघन चौकिंग अभियान चलाकर प्रभावी कार्यवाही करने के निर्देश दिये गये। जिसके क्रम में सभी थाना क्षेत्रों में रात्रि में सघन चौकिंग अभियान चलाया गया, अभियान के दौरान विभिन्न थाना क्षेत्रों में रैश ड्राइविंग, ड्रंक एण्ड ड्राइव व संदिग्ध रूप से घूम रहे व्यक्तियों

❑वसूला 77000 रूपये का संयोजन शुल्क

के विरूद्ध प्रभावी कार्यवाही करते हुए एमवी एक्ट तथा पुलिस एक्ट तहत सम्बन्धित व्यक्तियों के चालान किये गये। इस दौरान पुलिस द्वारा एमवी एक्ट के तहत कार्यवाही करते हुए 201 चालान किये गये। जिसमें रैश ड्राइविंग, ड्रंक एण्ड ड्राइव में 34 वाहन सीज, यातायात नियमों के उल्लंघन में 10 वाहन सीज 26 चालान न्यायालय तथा 131 नगद चालान करते हुए 77000 रूपये संयोजन शुल्क वसूला गया। इसके अतिरिक्त सार्वजनिक स्थानों पर शराब पीने, अवरोध उत्पन्न करने तथा हुडदंग करने वाले 193 व्यक्तियों के विरूद्ध 81 पुलिस एक्ट के तहत कार्यवाही करते हुए उनसे 54250 रूपये संयोजन शुल्क वसूला गया। साथ ही संदिग्ध रूप से घूमने वाले व्यक्तियों के नाम/पते तस्दीक करने के दौरान सम्बन्धित मकान मालिक द्वारा उनका सत्यापन न कराने पर 83 पुलिस एक्ट के तहत 05 लोगों के विरूद्ध चालान की कार्यवाही की गयी।

अवैध खनन तथा ओवर लोडिंग के विरूद्ध कार्यवाही के दौरान पुलिस द्वारा 03 डम्परो, 02 ट्रैक्टर ट्रालियों तथा 02 जेसीबी मशीनों को अवैध खनन में तथा 04 डम्फरों को ओवरलोडिंग में सीज किया गया।

संदिग्ध अवस्था में दो लोगों की मौत

संवाददाता

देहरादून। संदिग्ध अवस्था में दो लोगों की मौत हो गयी। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार आज यहां पुलिस कंट्रोल रूम के माध्यम से सूचना प्राप्त हुई की कंडोली में एक घर में एक व्यक्ति मृत पड़ा है सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची तो मौके पर मृतक विक्रम सिंह खत्री पुत्र स्वर्गीय चंद्र सिंह खत्री निवासी लेन नंबर 3 मकान नंबर-2 कंडोली चिड़ोवाली थाना रायपुर देहरादून उम्र 34 वर्ष का शव कमरे में बिस्तर पर पड़ा हुआ है, मृतक विक्रम सिंह खत्री की पत्नी श्रीमती ममता व परिवारजन मौजूद मिले। मृतक के परिजनों द्वारा बताया गया कि मृतक विक्रम सिंह रात्रि को खाना खाकर दो मंजिले मकान में अपने कमरे में जाकर सो गया था। सुबह सवा ग्यारह बजे तक नहीं उठा तो उन्होंने करीब दो बजे दूसरे छत में जाकर चैक किया तो बिस्तर पर लेटा हुआ था उसके बाद परिवारजनों द्वारा उसके कमरे की कुंडी तोड़कर देखा तो उक्त व्यक्ति चित्त अवस्था में लेटा हुआ था मृतक विक्रम सिंह को आवश्यक कार्यवाही हेतु एम्बुलेंस 108 के माध्यम से दून हॉस्पिटल भिजवाया गया। नावक्त होने के कारण पंचायतनामा की कार्यवाही कल प्रातः अमल में लाई जाएगी।

वहीं एक अन्य घटनाक्रम में कोरोनेशन अस्पताल देहरादून से डेथ मेमो थाना डालनवाला के माध्यम से प्राप्त हुआ जिसमें अवगत कराया गया कि मृतक रौनक पुत्र गिरीश कुमार उम्र 17 वर्ष निवासी ऋषिनगर अधोईवाला सहस्त्रधारा रोड देहरादून को मृत अवस्था में कोरोनेशन अस्पताल लाया गया था जिसके शव को परिजनो द्वारा बिना आवश्यक कार्यवाही अपने साथ ले गए हैं। सूचना पर मृतक के निवास पर जाकर जानकारी की गई तो परिजनो द्वारा बताया गया कि उक्त मृतक शारीरिक व मानसिक रूप से अस्वस्थ था जिसने आज घर के अंदर ही फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली परिजनों व आसपास के लोगों को समझाया बुझाया गया के उक्त प्रकरण में पंचायतनामा/ पोस्टमार्टम की कार्यवाही किया जाना आवश्यक है। शव को अग्रिम कार्रवाई हेतु कोरोनेशन अस्पताल भिजवाया जाए परिजनों को समझा बूझाकर मृतक रौनक के शव को अग्रिम वैधानिक कार्यवाही हेतु दून अस्पताल मोर्चरी भिजवा दिया गया जिसकी पंचायतनामा व पोस्टमार्टम की कार्यवाही अमल में लाई जाएगी।

एक नजर

'महिला आरक्षण बिल का घमंडिया गठबंधन ने खट्टे मन से समर्थन किया'

भोपाल । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल के दौरे पर आए हैं, जहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जन संघ के सह संस्थापक पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती पर कार्यकर्ता महाकुंभ को संबोधित किया है। इस दौरान पीएम नरेंद्र मोदी ने इंडिया एयरलाइंस पर भी जमकर निशाना साधा है। पीएम नरेंद्र मोदी ने कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि, आज बड़ी संख्या में मेरी बहने और बेटियां आई है। आपको जो मोदी ने गारंटी दी थी, वह भी पूरी हो गई थी। कुछ दिन पहले लोकसभा और राज्यसभा में महिलाओं के लिए 33% सीट आरक्षित करने का कानून पारित हो गया, लंबे समय से देश इसका इंतजार कर रहा था। मोदी है, तो हर गारंटी पूरी होने की गारंटी है। मैं एमपी समेत पूरे देश की बहनों को सावधान करना चाहता हूं। कांग्रेस और उसके नए-नए घमंडियां गठबंधन ने मजबूरी में खट्टे मन से समर्थन किया है। बे मन से किया है। यह खट्टापन उनके बहानों में दिखाई देता है। यह उनके गठबंधन में जितने लोग हैं, यह वही लोग हैं, जिन्होंने 30 साल तक कानून पास नहीं होने दिया। संसद में हंगामा किया, और बिल फाड़ दिए। अब मजबूरी में बिल का समर्थन किया है। अब जब समझ गए कि, इनकी चाल चरित्र सबके सामने आ गया है, तो कहने लगे कि, यह क्यों नहीं किया, वह क्यों नहीं किया।

भाजपा कार्यकर्ताओं से भरी बस एक खड़े ट्रक से जा टकराई, 39 घायल

इंदौर। मध्य प्रदेश में सोमवार को एक भीषण सड़क हादसा हो गया। इस हादसे में भाजपा के करीब 39 कार्यकर्ताओं के घायल होने की सूचना मिली है। बताया जा रहा है कि सभी कार्यकर्ता एक बस में सवार होकर भोपाल में कार्यकर्ता महाकुंभ के लिए जा रहे थे, इसी दौरान खरगोन में बस एक खड़े ट्रक से जा टकराई। हादसा इतना जोरदार था कि इसमें 39 यात्री बुरी तरह से जख्मी हो गया। हादसा देर रात कसरावद के पास हुआ। घायलों को इलाज के लिए जिला अस्पताल ले जाया गया। बस में अधिकतर खापरजामली, रूपगढ़ और भगवानपुरा के रायसागर के भाजपा कार्यकर्ता सवार थे। पार्टी नेताओं ने कहा कि कार्यकर्ता महाकुंभ का आयोजन जनसंघ के सह-संस्थापक दीनदयाल उपाध्याय की जयंती पर राज्य के कोने-कोने में भाजपा की जन आशीर्वाद यात्राओं के औपचारिक समापन को चिह्नित करने के लिए किया जा रहा है। भाजपा ने महाकुंभश कार्यक्रम के लिए 10 लाख लोगों को इकट्ठा करने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा है।

सीएम एकनाथ शिंदे के घर पर गणपति पूजा में शामिल हुए शाहरुख खान व सलमान खान

मुंबई। महानगरी में इन दिनों गणपति का दिन चल रहा है। बॉलीवुड से लेकर राजनीतिक गलियारों तक, हर कोई एक-दूसरे के घर पर गणपति दर्शन के लिए पहुंच रहे हैं। इसी कड़ी में जवान स्टार शाहरुख खान, सलमान खान और आशा भोसले महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के आवास पहुंचे, जहां वीडियो सोशल मीडिया पर छाया हुआ है। इस खास मौके पर शाहरुख खान ब्लू कलर का कुर्ता और व्हाइट कलर पैजामा को चुना। इस दौरान किंग खान गणेश चादरी सफेद चादर पहनाकर उनका स्वागत किया गया। सीएम शिंदे ने किंग खान बुके और गणपति की मूर्ति भेंट की। इस दौरान सीएम और एसआरके ने मीडिया को पोज देते दिखें। महाराष्ट्र सीएम के आवास पर गणपति दर्शन के लिए हुए सिर्फ किंग खान ही नहीं, बल्कि कई सितारे पहुंचे, जिसमें सलमान खान का भी नाम जुड़ा हुआ है। सलमान खान अपनी बहन अर्पिता और जीजा-एक्टर आयुश शर्मा के साथ सीएम आवास पहुंचे। भाईजान को मैरून कुर्ता और ब्लैक पैजामा में देखा जा सकता है। वहीं, उनकी बहन को रेड कलर के सूट में देखा जा सकता है। आयुश को ब्लैक सूट में देखा जा सकता है। इस दौरान सलमान खान को भी गणेश चादरी और बप्पा की मूर्ति देकर उनका स्वागत किया जाता है। शाहरुख खान और सलमान खान के अलावा सिंगर आशा भोसले, जैकी श्रॉफ, अपने पति और बच्चे संग साउथ एक्ट्रेस एक्ट्रेस काजल अग्रवाल, सुनील शेट्टी, बिग बॉस ओटीटी-2 कंटेस्टेंट्स एल्विश यादव अभिषेक सिंह और अंशुल समेत कई जाने-माने सितारें पहुंचें।

मांगों को लेकर आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों का सीएम आवास कूच, किया प्रदर्शन

हमारे संवाददाता

देहरादून। मानदेय बढ़ाने सहित अन्य कई मांगों को लेकर आज आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों सेविका मिनी कर्मचारी संगठन की सदस्यों द्वारा मुख्यमंत्री आवास कूच किया गया। जिन्हे पुलिस द्वारा वेरीकेटिंग लगाकर रोका गया। जिस पर आंगनबाड़ी कार्यकत्रियां वहीं बैठ गयी और धरना देकर प्रदर्शन किया।

अपनी मांगों को लेकर अपने पूर्व घोषित कार्यक्रम के तहत आज प्रदेश भर से राजधानी देहरादन में एकत्र हुई आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों द्वारा सीएम आवास कूच किया गया। जिन्हे पुलिस प्रशासन द्वारा हाथीबढ़कला के समीप बैरिकेटिंग लगाकर रोक दिया गयां जिस पर गुस्सायी आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों द्वारा वहीं बैठ कर धरना प्रदर्शन शुरू किया गया। आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों ने कहा कि हम सरकार से कई वर्षो से मानदेय बढ़ाने की मांग कर रहे है। लेकिन सरकार द्वारा इस मामले में कोई गौर नहीं किया जा रहा है। उन्होने कहा कि प्रशासन द्वारा हमसे अन्य विभागों के काम भी लिये जाते है लेकिन उसका कोई अलग से भुगतान नहीं किया जाता है। उन्होने कहा कि हमारा वेतन भी समय पर नहीं मिल पाता है जिससे हमारे परिवारों को परेशानियों का सामना करना पड़ता है। उन्होने कहा कि हम लगातार 25 वर्षो से अपनी आवाज सरकार के सामने रख रहे है। लेकिन हमारी बातों को किसी सरकार द्वारा नहीं सुना जाता हैं। उन्होने कहा कि इन सब बातों का पता सम्बन्धित विभाग की मंत्री को भी है लेकिन वह भी हमारी बातों को महिला होते हुए भी सुनने को तैयार नहीं है। समाचार लिखे जाने तक आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों का धरना जारी था।

उत्तरकाशी में भूकम्प के झटके, रिक्टर स्केल पर 3.0 रही तीव्रता

हमारे संवाददाता

उत्तरकाशी। जिला मुख्यालय सहित आसपास के क्षेत्रों में आज सुबह 8:35 पर भूकंप के झटके महसूस किये गये। हालांकि भूकंप से किसी तरह के जानमाल के नुकसान की खबर नहीं है।

जिला आपदा प्रबंधन केंद्र से मिली जानकारी के अनुसार रिक्टर पैमाने पर भूकंप की तीव्रता 3.0 मापी गई है। भूकंप का केंद्र हिमाचल राज्य से लगे मोरी ब्लॉक के कोठीगाड रेंज में जमीन से पांच किमी नीचे था। विदित हो कि वर्ष 1991 के विनाशकारी भूकंप के बाद से अब तक उत्तरकाशी में 70 से अधिक बार भूकंप के झटके आ चुके हैं। इससे पहले भी उत्तरकाशी में भूकंप के झटकों से धरती डोली है।

बीते 29 अगस्त को भी यहां 2.8 तीव्रता का भूकंप का झटका महसूस किया गया था। तब भूकंप का केंद्र बड़कोट स्यालना के जंगलों में जमीन से पांच किमी नीचे था।

अस्पताल के बाहर से स्कूटी चोरी

संवाददाता

देहरादून। चोरों ने अस्पताल के बाहर से स्कूटी चोरी कर ली। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार चंदर रोड नई बस्ती निवासी सिद्धार्थ चिन्नार ने पटेलनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह इंद्रेश हास्पिटल में किसी को देखने आया था तथा उसने अपनी एक्टिवा अस्पताल के बाहर खडी कर दी थी। लेकिन जब वह थोडी देर बाद वापस आया तो उसकी एक्टिवा अपने स्थान से गायब थी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

30 नवम्बर तक सड़कों को करें गड्ढ़ा मुक्त : रतूडी

संवाददाता

देहरादून। अपर मुख्य सचिव श्रीमती राधा रतूडी ने लोक निर्माण विभाग को 30 नवम्बर तक सडकों को गड्ढा मुक्त करने के निर्देश दिये।

आज यहां सचिवालय में अपर मुख्य सचिव श्रीमती राधा रतूड़ी ने लोक निर्माण विभाग को 30 नवम्बर तक सड़कों को गड्ढ़ा मुक्त करने तथा शहरी विकास विभाग को शहरी क्षेत्रों में प्लास्टिक और कूड़ा निस्तारण के लिए जल्द से जल्द एक मजबूत सिस्टम तैयार करने हेतु सख्त हिदायत दी हैं। इसके साथ ही एसीएस ने सम्बन्धित अधिकारियों को स्पष्ट किया है कि मुख्यमंत्री जी द्वारा की गई घोषणाओं को तेजी से पूरा करने के लिए शासन स्तर से धरातल स्तर तक समय सीमा निर्धारित की जाय। मुख्यमंत्री घोषणाओं के क्रियान्वयन को शीर्ष प्राथमिकता पर लिया जाय। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की अध्यक्षता में विधानसभा क्षेत्रों में विकास कार्यों की समीक्षा बैठकों के क्रम में अपर मुख्य सचिव श्रीमती राधा रतूड़ी ने सचिवालय में लोक निर्माण, शहरी विकास, आवास और औद्योगिक विकास विभाग की समीक्षा के दौरान अधिकारियों को निर्देश दिये गए हैं कि मुख्यमंत्री घोषणाओं की विभागीय सचिव के स्तर पर नियमित मॉनिटरिंग की जाय। यह सुनिश्चित किया जाए कि सभी घोषणाओं को पूर्ण करने के लिए समय सीमा निर्धारित हो। उन्होंने लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिये कि मानसून अवधि में अतिवृष्टि के कारण विभिन्न क्षेत्रों में सड़कों में जो गड्ढ़े हुए हैं, उन सड़कों को गड्ढ़ा मुक्त करने के लिए तेजी से कार्यवाही की जाए। उन्होंने निर्माण कार्यों से जुड़े विभागों के अधिकारियों को निर्माण कार्यों में तेजी लाने के भी निर्देश दिये हैं। उन्होंने कहा कि विधायकों द्वारा अपने विधानसभा क्षेत्रों में जिन कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण किये जाने की अपेक्षा की गई है, उनमें त्वरित कार्यवाही सुनिश्चित की जाय। बैठक में अपर सचिव लोक निर्माण विभाग विनीत कुमार एवं अन्य संबंधित विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।